आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,गुरुवार 9 जुलाई 2026 ■ आषाढ़, कृष्ण पक्ष-10 ■ वर्ष -42 ■ अंक-102 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 10 जुलाई 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

रामगोपाल17 जुलाई तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर

रायपुर,9 जुलाई ■ तरुण छत्तीसगढ़

प्रदेश के बहुचर्चित शराब, कस्टम मिलिंग और कोल लेवी घोटाला में आरोपी वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को आज स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया. वकीलों की दलील सुनने के बाद न्यायधीश से अग्रवाल को 17 जुलाई तक के लिए ईओडब्ल्यू की रिमांड पर भेज दिया है. बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि नियत अवधि तक पूछताछ के बाद ईओडब्ल्यू फिर से उन्हें कोर्ट में पेश करेगी.बता दें कि छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब, कोल लेवी एवं कस्टम मिलिंग घोटाले के मुख्य आरोपी कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को बुधवार को ईओडब्ल्यू ने हिरासत में लिया था. छत्तीसगढ़ कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल कांग्रेस होने के साथ-साथय़ नान के अध्यक्ष भी रहे हैं. बहुचर्चित घोटालों में आरोपी बनाए जाने के बाद से वे बीते तीन सालों से फरार चल रहे थे. ईओडब्ल्यू के साथ-साथ ईडी भी उनकी तलाश कर रही थी.बता दें कि कस्टम मिलिंग घोटाले में कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल को समन जारी किया गया था. मंगलवार को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने रामगोपाल अग्रवाल के बेटे वैभव अग्रवाल से लंबी पूछताछ की थी. इसके बाद तीन साल से फरार चल रहे रामगोपाल अग्रवाल ईओडब्ल्यू पहुंचे, जिसे ईओडब्ल्यू ने हिरासत में लिया है.छत्तीसगढ़ का कथित कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाला धान की मिलिंग के लिए राइस मिलर्स को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा मामला है. आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा के अनुसार, वर्ष 2015 से 2023 के बीच प्रोत्साहन राशि बढ़ाने और उसके भुगतान में नियमों का उल्लंघन कर चुनिंदा राइस मिलर्स को अनुचित लाभ पहुंचाया गया.जांच एजेंसी का दावा है कि इस प्रक्रिया में करीब 127 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है. इस मामले में तत्कालीन अधिकारियों, राइस मिलर्स और अन्य संबंधित लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है. हालांकि आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. मामले की जांच जारी है.

कोयला घोटाले के मुख्य आरोपी को कोर्ट में किया गया पेश

छत्तीसगढ़ का कथित कोल लेवी घोटाला वर्ष 2020 से 2022 के बीच कोयला परिवहन और खनन से जुड़े कारोबार में अवैध वसूली के आरोपों से जुड़ा है. प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा के अनुसार, कोयला परिवहन करने वाले कारोबारियों से प्रति टन तय राशि अवैध रूप से वसूली गई.जांच एजेंसियों का दावा है कि इस नेटवर्क के जरिए करीब 540 करोड़ रुपए की अवैध लेवी वसूली गई. इस मामले में कई आईएएस अधिकारियों, कारोबारियों, बिचौलियों और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं. हालांकि सभी आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. मामले की जांच और सुनवाई जारी है. छत्तीसगढ़ का शराब घोटाला राज्य के सबसे बड़े आर्थिक मामलों में से एक माना जाता है. प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा की जांच के अनुसार, साल 2019 से 2022 के बीच सरकारी शराब बिक्री व्यवस्था में कथित सिंडिकेट बनाकर अवैध शराब की बिक्री, कमीशनखोरी और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया.

जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क के जरिए करीब 3,200 करोड़ रुपए का अवैध घोटाला हुआ. मामले में कई आईएएस अधिकारी, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं. हालांकि, आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी नहीं हुई है. मामले की जांच एवं अदालती प्रक्रिया जारी है.

पुलिस कस्टडी से महिला फरार: तीन आरक्षक निलंबित

बालोद,9 जुलाई। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लाई गई महिला कोतवाली थाने से फरार हो गई। इससे पुलिस महकमे में हड़कम मच गया है। एसपी ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर तीन आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित आरक्षकों में शिव कुमार ध्रुव, पुर्णिमा ठाकुर और उमेश निषाद के नाम शामिल हैं। एडिशनल एसपी मोनिका ठाकुर ने बताया कि चोरी की आरोपी महिला रेखा सोरी को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। कुछ दिन पहले आरोपी महिला पुलिस को चकमा देकर कोतवाली थाने से फरार हो गई। उस समय ड्यूटी में तैनात तीन आरक्षकों को निलंबित कर दिया गया। आरोपी महिला की टीम बनाकर तलाश कर रहे हैं। आरोपी महिला पर अपराध दर्ज किया गया है और जल्द ही गिरफ्तार की जायेगी।

12 रेलवे पुलों पर एडवांस वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम

बिलासपुर,9 जुलाई। मानसून के दौरान रेलवे पुलों पर नदियों के जलस्तर की सतत एवं सटीक निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आधुनिक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम लगाया गया है। सेंसर आधारित यह अत्याधुनिक सिस्टम वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 12 महत्वपूर्ण रेलवे पुलों पर लगाई गई है। यह प्रणाली 24 घंटे रियल-टाइम में जलस्तर की निगरानी करते हुए संरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पूर्व में नदियों के जलस्तर का आकलन पारंपरिक मीटर गेज प्रणाली के माध्यम से किया जाता था, जिसमें मैनुअल रीडिंग लेने के कारण सूचना प्राप्त होने में विलंब तथा त्रुटि की संभावना बनी रहती थी। अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में समय पर जानकारी उपलब्ध न होने से रेलवे ट्रैक एवं पुलों की संरक्षा का त्वरित आकलन करना चुनौतीपूर्ण होता था।

इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने आधुनिक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम स्थापित किया है। यह प्रणाली सेंसर आधारित तकनीक के माध्यम से पुलों पर लगे जलस्तर संकेतकों की निरंतर निगरानी करती है तथा ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से एकीकृत रहती है। जैसे ही नदी का जलस्तर पूर्व निर्धारित चेतावनी अथवा खतरे के स्तर तक पहुँचता है अथवा उसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन होता है, सिस्टम स्वतः संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं के मोबाइल फोन पर तत्काल एसएमएस अलर्ट भेज देता है। इससे आवश्यक सुरक्षा उपाय समय रहते लागू किए जा सकते हैं.

नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिज में आई दरारें,विस अध्यक्ष ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,9 जुलाई। जिले में हाल ही में निर्मित तीन रेलवे ओवरब्रिजों में दरारें आने के मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने इस मामले को गंभीर बताते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने और निर्माण में लापरवाही बरतने वाले सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। डॉ. रमन सिंह ने अपने पत्र में कहा है कि हाल ही में हुई बारिश के बाद राजनांदगांव जिले के बरगा, आलीवारा और मुसरा स्थित

नवनिर्मित रेलवे ओवरब्रिजों में गंभीर क्षति सामने आई है। उनका कहना है कि लोकार्पण के कुछ ही दिनों के भीतर पुलों में आई दरारें निर्माण गुणवत्ता और तकनीकी मानकों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन के नागपुर मंडल अंतर्गत डोंगरगढ़-राजनांदगांव रेलखंड पर प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के तहत लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से इन रेलवे ओवरब्रिजों का निर्माण कराया गया था। इनका लोकार्पण जून 2026 में किया गया था। इसके कुछ दिन बाद 4 और 5 जुलाई को जिले में हुई बारिश के बाद ओवरब्रिजों में करीब 60 से 70 फीट लंबी और 15 से 20 सेंटीमीटर चौड़ी दरारें दिखाई दीं। इन दरारों के कारण पुलों की सुरक्षा पर सवाल उठ गए हैं और फिलहाल इन्हें आवागमन के लिहाज से असुरक्षित माना जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी सार्वजनिक निर्माण का लोकार्पण होने के कुछ ही दिनों बाद इस तरह क्षतिग्रस्त हो जाना अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस घटना को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों में भी नाराजगी और नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

अपने पत्र में डॉ. रमन सिंह ने रेल मंत्री से मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और ओवरब्रिज निर्माण से जुड़ी एजेंसी, ठेकेदार, परामर्शदाता तथा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही उन्होंने सभी प्रभावित ओवरब्रिजों का तत्काल सुरक्षा परीक्षण कराने, आवश्यक मरम्मत अथवा जरूरत पड़ने पर पुनर्निर्माण सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है, ताकि भविष्य में किसी संभावित दुर्घटना से बचा जा सके।

डॉ. रमन सिंह ने उम्मीद जताई है कि जनहित और सार्वजनिक धन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय इस मामले में शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई करेगा।

अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या

धमतरी,9 जुलाई। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के ग्राम बाजार कुर्रीडीह में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक महिला के पति ने अवैध संबंध के शक में टंगिया मारकर युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरु कर दी है। यह पूरा मामला केरेगांव थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान मध्य प्रदेश के मंदसौर निवासी शंकर सूर्यवंशी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शंकर सूर्यवंशी का करीब एक साल पहले मोबाइल फोन के जरिए बाजार कुर्रीडीह की रहने वाली एक महिला से जान पहचान हुई थी। इस दौरान शंकर ने खुद को सेना का जवान बताकर महिला को गुमराह किया। बुधवार को शंकर सूर्यवंशी अपनी महिला मित्र से मिलने मंदसौर से धमतरी पहुंचा। रात में वह महिला के घर पर ही था। इसी दौरान महिला के पति ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद उसने टंगिया से सूर्यवंशी पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मामले की सूचना मिलते ही केरेगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुरानी प्रतीक्षा सूची से मिली सरकारी नौकरी रद्द

हाई कोर्ट ने बर्खास्तगी पर लगाई मुहर

बिलासपुर,9 जुलाई। हाई कोर्ट ने सरकारी नौकरियों में पुरानी प्रतीक्षा सूची के दुरुपयोग पर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए कहा है कि भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने के बाद सृजित नए पदों पर पुरानी चयन

सूची से नियुक्तियां देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रवींद्र कुमार अग्रवाल के डिवीजन बेंच ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के मिडिल स्कूल में कार्यरत भृत्य अखिलेश और शिक्षिका सुषमा ठाकुर की रिट अपीलें खारिज करते हुए उनकी बर्खास्तगी को वैध ठहराया। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट किया कि अधिकारियों की गलती या लंबी सेवा के आधार पर अवैध नियुक्तियों को वैध नहीं बनाया जा सकता। मामले में आदिम जाति कल्याण विभाग ने 2012 में भृत्य और सहायक ग्रेड-3 के पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया था। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कुछ अतिरिक्त पदों के लिए पुरानी प्रतीक्षा सूची से नियुक्तियां दी गईं, जो अवैध थीं। अदालत ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया समाप्त होने के बाद भविष्य में सृजित पदों को पुरानी प्रतीक्षा सूची से भरना न केवल भर्ती नियमों का उल्लंघन है, बल्कि उन युवाओं के अधिकारों का भी हनन है जो बाद में पात्र हुए। हाई कोर्ट ने तीन महत्वपूर्ण नियमों को दोहराया, जिसमें नियुक्ति केवल विज्ञापित पदों तक सीमित होना, बैकडोर नियुक्तियों का संविधान के खिलाफ होना और लंबी सेवा से अवैध नियुक्तियों का वैध न होना शामिल है।

जीपीएम कलेक्टर संतोष देवांगन हटाए गए

रायपुर ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार ने गुरुवार को एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस फेरबदल में सबसे बड़ी गाज गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के कलेक्टर संतोष कुमार देवांगन पर गिरी है, जिन्हें महज दो महीने पहले ही जिले की कमान सौंपी गई थी। सरकार ने उन्हें कलेक्टर पद से हटाते हुए मंत्रालय में स्कूल शिक्षा विभाग में विशेष सचिव के पद पर तैनाती दी है। उनकी जगह अब तकनीकी शिक्षा विभाग के संचालक विजय दयाराम के. को जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। महानदी भवन से जारी सामान्य प्रशासन विभाग के इस आदेश में कुल 5 आईएएस अधिकारियों के प्रभार में तब्दीली की गई है। हेमंत रमेश नंदनवार (आईएएस 2020) को महासमुंद जिला पंचायत के सीईओ पद से हटाकर अब संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही इन्हें छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। सुमित अग्रवाल (आईएएस 2021) दुर्ग नगर निगम के कमिश्नर को अब मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य शहरी विकास अभिकरण बनाया गया है। वे इस पद से रिमिजियस एक्का (आईएएस 2011) को अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करेंगे। अनुपमा आनंद (आईएएस 2023) सरायपाली (महासमुंद) की एसडीएम को प्रमोट करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी , जिला पंचायत, महासमुंद के पद पर पदस्थ किया गया है।

विजय दयाराम को मिली जिम्मेदारी, 5 आईएएस अधिकारियों के प्रभार बदले

बस्तर पुलिस को मिला राष्ट्रीय गौरव,बोधघाट प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना

जगदलपुर,9 जुलाई। एक समय था, जब बस्तर की पहचान देशभर में नक्सल हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों से जुड़ी खबरों से होती थी। आज उसी बस्तर कार्यशैली और जनोन्मुखी पुलिसिंग के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय की वर्ष 2025 की वार्षिक पुलिस थाना रैंकिंग में बस्तर जिले के बोधघाट थाना को छत्तीसगढ़ का सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना घोषित किया गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार बस्तर संभाग के किसी पुलिस थाने को यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान मिला है। तत्कालीन आईजी पी. सुंदरराज के मार्गदर्शन, एसपी शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व तथा सीएसपी

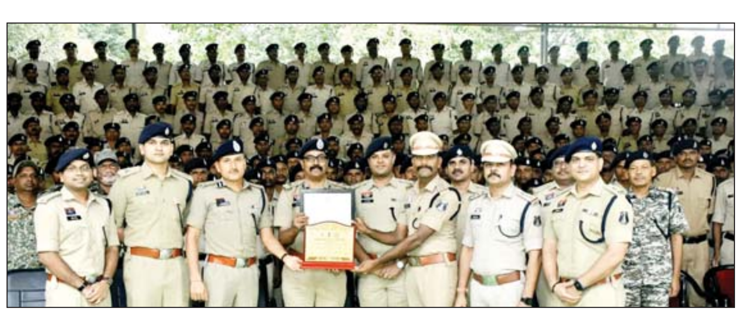

सुमित कुमार धोत्रे के पर्यवेक्षण में अपराध नियंत्रण, सामुदायिक पुलिसिंग और जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में किए गए कार्यों को इस उपलब्धि का प्रमुख आधार माना जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय हर वर्ष देशभर के पुलिस थानों का विस्तृत मूल्यांकन करता है। इस प्रक्रिया में केवल अपराध के आंकड़ों को नहीं, बल्कि अपराध नियंत्रण एवं रोकथाम, अनुसंधान (विवेचना) की गुणवत्ता, सामुदायिक पुलिसिंग, जनसहभागिता, नागरिक-अनुकूल कार्यप्रणाली, पुलिस अधोसंरचना, नवाचार, अभिलेख संधारण और समग्र कार्य निष्पादन जैसे महत्वपूर्ण मानकों को आधार बनाया जाता है। इन सभी कसौटियों पर बोधघाट थाना खरा उतरा और छत्तीसगढ़ में पहला स्थान हासिल किया। यह सम्मान केवल बोधघाट थाना की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे बस्तर पुलिस की बदलती कार्यशैली की राष्ट्रीय पहचान है। इससे पहले वर्ष 2020 में सूरजपुर जिले के झिलमिली (भैयाथान) थाना ने देश के शीर्ष पुलिस थानों में जगह बनाकर प्रदेश का नाम रोशन किया था। इसके बाद वर्ष 2023 में दुर्ग जिले के नंदिनी नगर थाना को छत्तीसगढ़ का सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना चुना गया। अब वर्ष 2025 की रैंकिंग में बोधघाट थाना ने यह गौरव हासिल कर बस्तर संभाग के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है।

अमेरिका ने चाबहार पोर्ट समेत 90 ठिकानों पर की बमबारी

वाशिंगटन,9 जुलाई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब बेहद खतरनाक मोड़ ले चुका है। अप्रैल में हुए सीजफायर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा खत्म घोषित किए जाने के बाद अमेरिका ने ईरान पर बड़े हमले शुरू कर दिए हैं।

गुरुवार को ईरान के दक्षिण-पूर्वी और सामरिक रूप से अहम चाबहार पोर्ट को निशाना बनाते हुए अमेरिका ने ताबड़तोड़ बमबारी की। अमेरिकी सेना ने करीब 90 ईरानी ठिकानों को तबाह करने का दावा किया है। वहीं, अमेरिका को करारा जवाब देते हुए ईरान ने भी कुवैत और बहरीन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर लगातार दूसरे दिन हमले किए हैं। इस तनाव के बीच कुवैत में मिसाइल और ड्रोन हमलों का अलर्ट भी जारी किया गया है।चाबहार में कई जोरदार धमाकों की खबर है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, शहर के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर बिजली गुल हो गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई धमाकों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद इमरजेंसी सर्विस की टीमों को प्रभावित इलाकों की ओर दौड़ते देखा गया।

लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट पिनाका का उड़ान परीक्षण सफल

भुवनेश्वर,9जुलाई। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेट (एलआरजीआर) पिनाका का सफल उड़ान परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान रॉकेट ने उपयोगकर्ता द्वारा निर्धारित 60 किलोमीटर की न्यूनतम मारक क्षमता के मानकों को पूरा करते हुए पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। परीक्षण के दौरान एलआरजीआर पिनाका ने तय उड़ान पथ का पूरी सटीकता के साथ पालन किया और लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा। रेंज में तैनात सभी ट्रैकिंग उपकरणों ने पूरी उड़ान के दौरान रॉकेट की सफलतापूर्वक निगरानी की।

लंबी दूरी के निर्देशित पिनाका रॉकेट का डिजाइन और विकास डीआरडीओ के आयुध अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई) ने उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) के सहयोग से किया है। इसके विकास में रक्षा अनुसंधान

एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) और अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उड़ान परीक्षण का समन्वय एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर और प्रूफ एंड एक्सपेरिमेंटल एस्टेब्लिशमेंट ने संयुक्त रूप से किया। रॉकेट को भारतीय सेना में पहले से सेवा में मौजूद पिनाका लॉन्चर से दागा गया। इससे यह साबित हुआ कि एक ही पिनाका प्रक्षेपक से अलग-अलग मारक क्षमता वाले पिनाका रॉकेटों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और रक्षा उद्योग से जुड़े सभी पक्षों को बधाई दी। उन्होंने इसे लंबी दूरी के निर्देशित रॉकेटों के स्वदेशी डिजाइन और विकास क्षमता की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

रक्षा सचिव, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने परीक्षणों की निगरानी की और सफल परीक्षण में शामिल सभी वैज्ञानिकों एवं टीमों की सराहना की।

चंपत व अनिल के खिलाफ एफआईआर नहीं हुई तो अयोध्या के वकील करेंगे आंदोलन

अयोध्या,9 जुलाई। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में अयोध्या बार एसोसिएशन ने मोर्चा खोल रखा है,बार एसोसिएशन एक बार फिर मुखर हो गया है. एसोसिएशन ने पुलिस को चेतावनी दी है. कहा है कि तीन दिन बाद एफआईआर की कॉपी लेने थाने आएंगे. अगर हमारी तहरीर पर एफआईआर नहीं हुई तो अयोध्या के वकील उग्र आंदोलन करेंगे. तहरीर में चंपत राय और अनिल मिश्रा को नामजद किया गया था. लेकिन अयोध्या पुलिस ने दोनों के खिलाफ एफआईआर नहीं लिखी.बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा गबन मामले में केस दर्ज होने के बाद बीते सोमवार (29 जून) को अयोध्या बार एसोसिएशन की आपातकालीन बैठक हुई थी. जिसमें बार एसोसिएशन चढ़ावा गबन मामले के किसी भी आरोपित का मुकदमा न लड़ने का निर्णय पहले ही ले चुका है. इसके साथ ही किसी के लड़ने पर उसके ऊपर बड़ा जुर्माना भी लगाए जाने का निर्णय लिया गया था. साथ ही केस लड़ने वाले की बार एसोसिएशन की आजीवन सदस्यता भी छीन ली जाएगी.एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने बैठक में कहा कि इस मामले में कोई भी वकील आरोपी का पक्ष नहीं रखेगा और अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा.बैठक में प्रकरण की सीबीआई जांच के साथ ही चंपतराय,गोपाल राव और अनिल मिश्र के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के लिए याचिका भी प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया है.इसके अलावा एसोसिएशन की बैठक में वकीलों ने मुखर होकर कहा कि चंपतराय, अनिल मिश्रा और गोपाल राय को अयोध्या छोड़ना होगा.अगर तीन दिन के अंदर अयोध्या नहीं छोड़ते हैं तो पूरी अयोध्या को जाम कर दिया जाएगा.

अब देखने वाली बात यह होगी कि शासन

विधायक ललित ने 1.72 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रिसाली,9 जुलाई। नगर पालिक निगम रिसाली में विकास कार्य के लिए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और महापौर शशि सिन्हा ने भूमिपूजन किया। 1 करोड़ 72 लाख 8 हजार से तालपुरी, रूआबांधा उत्तर, रूआबांधा दक्षिण व रूआबांधा पूर्व में विकास कार्य होंगे। विधायक ललित चंद्राकर ने कार्य का शुभारंभ किया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भूमिपूजन अवसर पर कहा कि संकल्प पत्र में किए घोषणाओं को पूरा किया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार रिसाली को नए कलेवर में आम जनता को समर्पित करेगी। रिसाली की दशा एव दिशा जल्द बदलेगी। विधायक ललित ने कहा कि विकास के नए शोपान के तहत उन्होंने आज वार्ड क्र. 01 से लेकर 04 तक भूमिपूजन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकांश कार्य वही है जिन्हें जनता ने मांग

की है। विकास कार्य के लिए किसी तरह की पैसे की कमी नहीं होगी। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, महापौर परिषद की सद्स्य ममता यादव, पार्षद सारिका साहू, सविता ढवस, डॉ. सीमा साहू, सरिता देवांगन, धर्मेन्द्र भगत, शीला नारखेड़े, माया यादव समेत मण्डल अध्यक्ष अनूपम साहू, राजू जंघेल समेत गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।भूमिपूजन कार्यक्रम में विधायक ललित ने कहा कि वें पूरे 40 वार्ड में भूमिपूजन के लिए कार्यक्रम निर्धारित किया है। वें शहर के अंतिम छोर तक पहुंचेगें। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया कि जल्द ही रिसाली निगम क्षेत्र में कॉलेज और नालंदा परिसर का भी निर्माण किया जाएगा। वार्ड क्र. 01 तालपुरी में नाली के उपर कव्हर, फेसिंग वर्क, डोम शेड, कव्हर ड्रेन का कार्य 30.22 लाख से पूर्ण किया जाएगा। इसी तरह वार्ड क्र 02 रूआबांधा उत्तर में बाउंड्रीवाल, कम्युनिटी हॉल, पेवर ब्लाक, रोड चैड़ीकरण के लिए शासन ने कुल 69.28 लाख रूपए स्वीकृत की है। वार्ड क्र 03 रूआबांधा दक्षिण में सीसी रोड, कव्हर डेऊन, सड़क चैड़ीकरण के लिए कुल 42.87 लाख रूपए खर्च किए जाऐंगे। इसी तरह वार्ड क्र. 04 रूआबांधा पूर्व में पांच कार्य के लिए 29.71 लाख रूपए स्वीकृत किया गया है। इस राशि से मंच के सामने पेवर ब्लाक, कव्हर डेन आदि विकास कार्य होंगे।

बार एवं रॉड मिल ने बनाया नया उत्पादन कीर्तिमान

भिलाई, 9 जुलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल ने उत्पादन के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 12 मिमी टीएमटी बार श्रेणी में एक दिवसीय उत्पादन का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बीआरएम ने 7 जुलाई को 3,426 टन (1,663 बिलेट्स) का उत्पादन कर विभाग के इतिहास में नया रिकॉर्ड दर्ज किया। इससे पूर्व यह कीर्तिमान 08 मार्च 2026 को 3,405 टन (1,653 बिलेट्स) उत्पादन का था। इस उपलब्धि पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री चित्त रंजन महापात्र तथा कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने बार एवं रॉड मिल की पूरी टीम को बधाई देते हुए इसे संयंत्र की निरंतर प्रगति, टीमवर्क तथा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत-इंडोनेशिया इस्पात सहयोग को नई दिशा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जुलाई । भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी महारत्न इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की प्रमुख इस्पात निर्माता कंपनी पीटी क्राकाटाऊ स्टील ने इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम (ज्वाइंट वेंचर) स्थापित करने की संभावनाओं की तलाश हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। इस समझौता ज्ञापन की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 6 से 8 जुलाई तक प्रस्तावित इंडोनेशिया यात्रा के दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच आयोजित उच्च स्तरीय बैठकों में की गई। प्रस्तावित साझेदारी के तहत इंडोनेशिया के समृद्ध निकल भंडार और सेल के पांच दशक से अधिक के इस्पात उत्पादन एवं परियोजना संचालन के अनुभव का लाभ उठाया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह सहयोग भारत और इंडोनेशिया के बीच औद्योगिक साझेदारी को नई मजबूती प्रदान करेगा और दोनों देशों के साझा विनिर्माण दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा। इससे इंडोनेशिया के खनिज संसाधनों के वैल्यू एडिशन को बढ़ावा मिलने के साथ भारत और आसियान क्षेत्र में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम से तकनीकी आदान-प्रदान, औद्योगिक सहयोग, कौशल विकास और सतत आर्थिक विकास के नए अवसर भी खुलने की उम्मीद है। हालांकि परियोजना की उत्पादन क्षमता, निवेश संरचना, क्रियान्वयन कार्यक्रम और तकनीकी स्वरूप जैसे पहलुओं पर अंतिम निर्णय व्यवहार्यता अध्ययन और आवश्यक सरकारी स्वीकृतियों के बाद लिया जाएगा। सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कि यह साझेदारी भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संसाधन सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा, मोबिलिटी, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को देखते हुए कच्चे माल की सतत उपलब्धता और रणनीतिक साझेदारियां बेहद महत्वपूर्ण हो गई हैं।

एक नजर

मोटरसाइकिल चोरी मामले में युवक गिरफ्तार

भिलाई, 9 जुलाई (तछसं.)। स्मृति नगर चौकी प्रभारी अमित आनंद ने बताया कि प्रार्थी हेमचंद महिलांग निवासी पेंड्री तराई ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 3 जुलाई को अपनी पत्नी के उपचार हेतु शंकराचार्य अस्पताल जुनवानी अपनी बजाज प्लेटिना से गया था। वाहन को अस्पताल परिसर की पार्किंग में खड़ा करने के बाद 7 जुलाई को वापस आने पर मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली। किसी अज्ञात व्यक्ति ने वाहन चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना सुपेला, चौकी स्मृतिनगर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए चौकी स्मृतिनगर पुलिस तत्काल टीम गठित की। मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही मोह. असलम उर्फ शिबू से पूछताछ की। उसने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया।

तीन दिनों में 2774 वारंटी गिरफ्तार

भिलाई, 9 जुलाई (तछसं.)। भिलाई सुपेला पुलिस ने बताया कि स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया। थाना एवं चौकी क्षेत्रों में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। पुलिस टीमों द्वारा वारंटियों के निवास, रिश्तेदारी, संभावित ठिकानों एवं अन्य स्थानों पर सघन तलाश की गई। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए तकनीकी सहायता एवं स्थानीय सूचना संकलित कर फरार वारंटियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई। विशेष अभियान के दौरान कुल 107 गिरफ्तारी वारंट तथा 167 स्थायी वारंट तामील किए गए। इस प्रकार तीन दिनों में कुल 274 वारंटों को गिरफ्तार किया है।

गाली गलौज व धमकी,दो गिरफ्तार

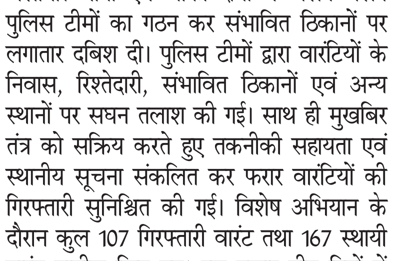

भिलाई, 9 जुलाई (तछसं.)। भिलाई जामुल टीआई रामेंद्र सिंह ने बताया कि 7 जुलाई की रात 11.30 बजे प्रार्थिया श्रीमती लक्ष्मी यादव ने थाना जामुल में रिपोर्ट दर्ज कराया कि पूर्व विवाद को लेकर मोहल्ले के कुछ लोग उसके घर के बाहर आए तथा गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, मारपीट एवं घर के दरवाजे, खिड़की के कांच, बिजली मीटर एवं अन्य सामान में तोड़फोड़ की। रिपोर्ट पर थाना जामुल में धारा 296, 351(3), 324(4), 3(5) बीएनएस एवं 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। विवेचना के दौरान आरोपी पी. शेखर एवं अभिषेक सिंह उर्फ मेडी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 धारदार हथियार जब्त किया है।

पानी निकासी बंद होने से खेतों में जल भरा किसानों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

दुर्ग, 9 जुलाई। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अपर कलेक्टर श्री वीरेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 127 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में प्राप्त विभिन्न आवेदनों पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से फोन पर जानकारी ली और उक्त आवेदनों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भारतीय जनता युवा मोर्चा अमलेश्वर मंडल की परिचयात्मक बैठक में संगठन सशक्तिकरण एवं आगामी कार्ययोजना पर किया गया मंथन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 9 जुलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा, अमलेश्वर मंडल के तत्वावधान में प्रदेश भाजपा एवं जिला युवा मोर्चा के निर्देशन में जामगांव स्थित विश्राम गिरी परिसर में मंडल स्तरीय परिचयात्मक बैठक का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बैठक का उद्देश्य नवगठित मंडल पदाधिकारियों का परिचय, संगठनात्मक दायित्वों का निर्धारण तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री हिमांशु सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में जिला महामंत्री श्री अनिकेत यादव, जिला पंचायत सभापति श्रीमती नीलम चंद्राकर, जनपद पंचायत पाटन अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक, जिला भाजपा उपाध्यक्ष श्रीमती हर्षा चंद्राकर, श्री लोकमणि चंद्राकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री कमलेश चंद्राकर, मंडल महामंत्री श्री कैलाश यादव एवं श्री धर्मेंद्र कौशिक

उपस्थित रहे। बैठक में युवा मोर्चा उपाध्यक्ष श्री राजू साहू (सरपंच, ग्राम पंचायत झीट), श्री अविनाश मिश्रा (पाटन), श्री प्रणव शर्मा (सभापति, जनपद पंचायत पाटन), श्रीमती दामिनी साहू (जनपद सदस्य), युवा मोर्चा अमलेश्वर मंडल अध्यक्ष श्री रवि सिंगौर, मंडल महामंत्री श्री मनीष कौशल एवं श्री कुमार साहू, पार्षदगण श्री रामेश्वर ठाकुर, श्रीमती यामिनी यादव, श्रीमती नीलम मिंज, एल्डरमैन श्री सुनील शर्मा, श्री हीरालाल साहू, श्रीमती लक्ष्मी देवांगन, श्रीमती अनीता यादव, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती मधुकांत साहू, महामंत्री श्रीमती सुनीता साहू, श्रीमती वर्षा कश्यप, श्रीमती गायत्री साहू (सरपंच, ग्राम पंचायत उफरा), युवा मोर्चा उपाध्यक्ष श्री सोनू साहू, श्री रविकांत कौशिक, श्री तुलेश सिंगौर, मंत्री श्री मृत्युंजय देवांगन, श्री शैलेश शर्मा, श्री मोहन लोधी (सरपंच, ग्राम पंचायत मोतीपुर), श्री राकेश सोनकर, श्री खूबीलाल सोनकर (पार्षद), श्री कमलेश साहू, कोषाध्यक्ष श्री रोशन सिंगौर, प्रचार मंत्री श्री विवेक कौशिक, श्री देवेंद्र यादव, श्री घनश्याम कौशिक, श्री सूर्यकांत सिंगौर, श्री चेतन चंद्राकर (सरपंच, पचपेड़ी), श्री शुभम जांगड़े, श्री नरेंद्र यादव, श्री राजकुमार देशलहरे, श्री कमलेश पठारी, सूरज ठाकुर, श्री हरिराम साहू, श्री नागेश सिंगौर, श्री पिंटू यादव, श्री कामता सिंगौर (सोशल मीडिया प्रभारी) सहित भाजपा के वरिष्ठजनों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति, अनुशासन, सेवा एवं समर्पण की भावना पर प्रकाश डालते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सदस्यता विस्तार अभियान, जनसंपर्क गतिविधियों एवं केंद्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने हेतु विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में मंडल पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन हित में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प व्यक्त किया गया।

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

झीट में शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत खो-खो चयन स्पर्धा आयोजित

पाटन,9 जुलाई। शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय खो-खो चयन स्पर्धा का आयोजन 7 जुलाई को खेल मैदान ग्राम झीट में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झीट द्वारा आयोजित किया गया जिसमें पाटन विकासखंड के विभिन्न शालाओं से लगभग लगभग 70 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत झीट के सरपंच रूपेंद्र राजू साहू, विशेष अतिथि के रूप में एडवेंचर खो-खो क्लब के अध्यक्ष पवन ठाकुर, एकलव्य खो-खो क्लब के अध्यक्ष टीकाराम साहू पूर्व माध्यमिक शाला झीट के प्रधान पाठक छत्तर राम ठाकुर एवं विभिन्न शालाओं से आए हुए व्यायाम शिक्षक उपस्थित थे।

युवा शक्ति ही विकसित भारत और सशक्त संगठन की आधारशिला है : कीर्ति नायक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन,9 जुलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा अमलेश्वर मंडल द्वारा जामगांव स्थित विश्राम गृह परिसर में मंडल स्तरीय परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक ने युवाओं को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष हिमांशु सिंह उपस्थित रहे। जिला महामंत्री अनिकेत यादव, जिला पंचायत सभापति नीलम चंद्राकर, जिला भाजपा उपाध्यक्ष हर्षा चंद्राकर एवं लोकमणि चंद्राकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, मंडल महामंत्री कैलाश यादव तथा धर्मेंद्र कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाबा ताजुद्दीन औलिया के उर्स की तैयारियां तेज, मुरादों की चादर रवाना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जुलाई । हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया रहमतुल्लाह अलैह के नागपुर स्थित आस्ताने में आयोजित होने वाले 104वें उर्स पाक के अवसर पर भिलाई से अकीदतमंदों ने मुरादों की चादर रवाना की है।

उर्स पाक का आगाज 8 जुलाई से हो चुका है, जबकि शाही संदल 12 जुलाई, छोटा कुल शरीफ 13 जुलाई और बड़ा कुल शरीफ 15 जुलाई को आयोजित होगा। इसी क्रम में साक्षरता चौक, कैम्प-1 स्थित ताज दरबार नानी अम्मा में हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया सेवा समिति की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शहरवासियों की खुशहाली और अमन-चैन की दुआओं के साथ नागपुर के ताजबाग स्थित आस्ताने पर पेश की जाने वाली चादर को सजाया गया तथा उसके प्रेषण की तैयारियां पूरी की गईं। इस अवसर पर चादरपोशी की रस्म अदा की गई और बाबा को लोबान पेश की गई। इसके बाद फातिहा दिलाई गई तथा उपस्थित लोगों और शहरवासियों की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं। ताज दरबार की अध्यक्षा हज्जन बदरून निशा ताजी ने सभी के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के अंत में बाबा को सलाम पेश किया गया।

पुण्यतिथि पर याद किये गए पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जुलाई। जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान और आचार्य नरेन्द्रदेव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति के तत्वावधान में एचएससीएल कालोनी रुआबांधा स्थित परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्र शेखर की 19वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर लोकतंत्र एवं संविधान के प्रहरी विषय पर गोष्ठी हुई। जिसमें समिति के संस्थापक अध्यक्ष और कार्यक्रम संयोजक आर.पी. शर्मा ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आज स्व. चंद्रशेखर की समाजवादी नीतियों को दृढ़तापूर्वक लागू करने की जरूरत है। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. डीएन प्रोफेसर शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चन्द्रशेखर को याद करते हुए कहा कि वे विवाद को संवाद के माध्यम से सुलझाने के हिमायती थे और सदन से सड़?क तक एक ही बात कहते थे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में एडवोकेट जमील अहमद ने कहा कि स्व. चन्द्रशेखर की छवि योद्धा की थी। विशिष्ट अतिथि पूर्व पार्षद देवेन्द्र यादव ने कहा कि वर्तमान में सत्ता व्यक्ति केन्द्रित हो गई है। संतोष सिंह, बी. एम. सिंह और वरिष्ठ पत्रकार सहदेव देशमुख ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम मे सजपा (चंद्रशेखर) के छत्तीसगढ़ प्रदेश महासचिव नंदकिशोर साहू, राजकुमारी, अनिता निषाद, भुवनेश्वरी, दसोदा, डीपी सिंह, जीवनन्दन सिंह, मदन श्रीवास्तव, सत्यनारायण मुत्ता, मनराम सिंह, आरडी चौधरी, कपिल प्रसाद, हरिश्चन्द्र, अजय चंदेल, त्रिलोक सिंह और एपी सिंह आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन जयराम पासी ने किया।

युवक का शव होटल में मिला,परिजनों को हत्या का संदेह,प्रेमिका हिरासत में

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जुलाई। भिलाई में लव जेहाद का एक अलग तरह का मामला सामने आया है स्मृतिनगर चौकी क्षेत्र के कोहका स्थित कुनाल होटल में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई है शादाब नामक युवक होटल के कमरे में फांसी पर लटका मिला उस समय उसकी प्रेमिका बगल में सो रही थी। सुबह जब उसकी आंख खुली तब उसने अपने प्रेमी को अपने ही दुपट्टे से पंखे पर लटका पाया। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है वहीं मृतक के परिजनों का आरोप है कि शादाब की हत्या की गई है उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है पुलिस ने बताया कि शादाब (19 साल) मिंगलवार शाम अपनी प्रेमिका के साथ सुपेला इलाके के कुनाल होटल में ठहरा था इस के बाद रात 11 बजे होटल संचालक के मोबाइल पर फोन पर कुछ युवकों का फोन आया कि उनके होटल में ठहरे

शादाब और उसकी प्रेमिका के बीच कुछ झगड़ा हो रहा है। इसके बाद शादाब के दोस्त वहां आए और उनके साथ जाकर उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। जब दरवाजे के नीचे से झांककर देखा तो वहां शराब की बोतल और डिस्पोजल गिलास नजर आए। इसके बाद नशे में होने की बात समझकर दोस्त लौट गए। लेकिन सुबह वे फिर वापस आए तो कमरे में शादाब पंखे पर लटका मिला। हिन्दू प्रेमिका ने बताया कि उसने फांसी लगा ली थी और उसने उसे पंखे से नीचे उतारा है। इसके बाद दोस्त शादाब को निजी अस्पताल लेकर गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया। वही पुलिस भी पहुंची और मृतक की प्रेमिका को हिरासत में ले लिया है। इधर परिजनों का आरोप है कि शादाब के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं परिवार का कहना है कि जिस हालत में उसका शव मिला, उसे देखकर आत्महत्या की बात पर यकीन करना मुश्किल है। उनका आरोप है कि शादाब की हत्या की गई है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है वहीं दोनों ने वहां एक कमरा लिया था। कमरे में क्या हुआ, इसका पता लगाने के लिए पुलिस होटल के कर्मचारियों और युवती से पूछताछ कर रही है। साथ ही होटल के सीसीटीवी फुटेज और दूसरे सबूतों की भी जांच की जा रही है पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट, फॉरेंसिक जांच और पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

दुर्ग, धमधा और पाटन ब्लॉक के 66 सरकारी स्कूलों के कक्ष किए जाएंगे डिस्मेंटल

दुर्ग, 9 जुलाई । जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा एक बड़ा कदम उठाया गया है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के जर्जर हो चुके भवनों और कमरों को डिस्मेंटल (ध्वस्त) करने की अनुमति दे दी है । जिला शिक्षा अधिकारी और लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग के प्रतिवेदन और प्रस्ताव के आधार पर इन अनुपयोगी और असुरक्षित ढांचों को निष्प्रयोज्य घोषित किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में चिन्हित किए गए ।

ग्राम पंचायत ने प्राथमिक शाला को 110 गिलास और 30 थालियां दान की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

पाटन,9 जुलाई। शासकीय प्राथमिक शाला कौही के बच्चों के लिए बुधवार का दिन खुशियां लेकर आया। ग्राम पंचायत कौही द्वारा विद्यालय के बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 110 नग गिलास एवं 30 नग थालियां विद्यालय को प्रदान की गईं। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती लीना साहू ने कहा कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायत कौही हरसंभव प्रयास करती रहेगी। कार्यक्रम में प्रधानपाठक राजेन्द्र मारकण्डे, शिक्षक टोकेन्द्र बिजौरा, त्रिलोचन साहू, चन्द्रकांत नेताम एवं सुरेश साहू उपस्थित रहे। इसके अलावा ग्राम पंचायत सचिव खेमसिंह यदु, रोजगार सहायक उमेन्द्र साहू तथा शिक्षा स्वयंसेवी श्रीमती लेखा ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे भी मौजूद थे।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जुलाई। भिलाई पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र के घरेलू विवाद में पत्नी की गला घोंटकर हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है पुरानी भिलाई टीआई विजय यादव ने बताया कि घरेलू पारिवारिक विवाद के दौरान आरोपी मिथलेश यादव ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की। पीड़िता कुछ समय के लिए अपने मायके चली गई थी तो

आरोपी ने वापस घर ले आया। इसके बाद पुन विवाद होने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी तथा गमछे से गला घोंटकर उसकी हत्या करने का प्रयास किया इससे पीड़िता बेहोश होकर गिर गई परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान होश में आने पर पीड़िता ने घटना की जानकारी दी प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना पुरानी भिलाई में धारा 109 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है?

नेहरू कालेज रोजगार मेले में सात कंपनियों ने किया युवाओं का चयन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 9 जुलाई। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, राजनांदगांव द्वारा मंगलवार, 8 जुलाई को शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ (पुराना भवन, चिचोला रोड) में रोजगार मेले का सफल आयोजन किया गया। रोजगार मेले में क्षेत्र के शिक्षित युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न निजी संस्थाओं एवं कंपनियों द्वारा योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

रोजगार मेले में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, पुष्कल एग्रोटेक लिमिटेड, एलआईसी छत्तीसगढ़, शिवालिक इंजीनियरिंग इंडस्ट्री लिमिटेड, ह्यूमिलिटी फाइनेंशियल सॉल्यूशन, श्रामीन टैलेंट प्राइवेट लिमिटेड तथा प्रगति फिनसर्व प्राइवेट लिमिटेड सहित कुल सात संस्थाओं एवं कंपनियों ने भाग लिया। इन संस्थाओं द्वारा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर रोजगार के लिए चयन प्रक्रिया संपन्न की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे उपस्थित रहे। विशेष अतिथि के रूप में महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सुनील जैन सहित उपाध्यक्ष नपा उमामहेश वर्मा, कृष्णा गुप्ता, अमन नामदेव एवं हरीश भंडारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, राजनांदगांव के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसरों, आवेदन प्रक्रिया तथा चयन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान कीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जम्बूलकर ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में रोजगार मेले जैसे आयोजन शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसे अवसरों का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ें। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. मुन्ना लाल नंदेश्वर एवं नितेश तिरपुडे ने किया, अंत में गुलशन सिन्हा ने उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों, प्रतिनिधियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रोजगार मेले के माध्यम से बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे उनमें उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ।

समाचार संक्षेप

उरला फैक्ट्री ब्लास्ट

सुरक्षा नियमों की अनदेखी व सरकारी तंत्र की विफलता से लोगों में गहरा रोष

रायपुर, 9 जुलाई। श्रमिक संघ के संरक्षक शंकर सिंह निर्मलकर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उरला स्थित थ्रीडी फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके और उसमें तीन निर्दोष मजदूरों की दर्दनाक मौत ने औद्योगिक सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है। इस हृदयविदारक घटना पर छत्तीसगढ़ सीमेंट स्टील एवं खदान कल्याणकारी श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों मंडल गहरा शोक व्यक्त करता है और इसे केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकारी लापरवाही और सुरक्षा नियमों की खुली अनदेखी का परिणाम मानता है। आज सरकार बिना सुरक्षा नियमों की जांच किए फैक्ट्रियों की संचालन का छुट दिया हुआ है यह सरकार की उद्योग नीति सुरक्षा नियमों की घोर विफलता साबित करता है

सुरक्षा मानकों का अभाव: प्रत्यक्षदर्शियों और कर्मचारियों के अनुसार, फैक्ट्री में लंबे समय से सुरक्षा मानकों को ताक पर रखा गया था। मजदूरों को सुरक्षा उपकरण तक उपलब्ध नहीं कराए गए थे। क्या श्रम विभाग और औद्योगिक सुरक्षा विभाग सोया हुआ था?

प्रशासनिक मिलीभगतः बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रशासन द्वारा फैक्ट्री की जांच न करना अधिकारियों और प्रबंधन के बीच सांठगांठ की ओर इशारा करता है। इस हादसे के लिए सीधे तौर पर संबंधित विभागों के लापरवाह अधिकारी जिम्मेदार हैं।

अपर्याप्त निगरानी: ऑक्सीजन सिलेंडर और बॉयलर फटने जैसी घटनाएं बताती हैं कि फैक्ट्री की मशीनों की फिटनैस जांच समय पर नहीं की गई थी। सरकार का औद्योगिक निरीक्षण तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है।

हमारी मांगें, उचित मुआवजा: मृतकों के परिजनों को कम से कम 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। घायलों के संपूर्ण इलाज का खर्च सरकार और प्रबंधन वहन करे।

दोषियों पर सख्त कार्रवाई: फैक्ट्री मालिक और उन अधिकारियों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए जिनकी देखरेख में यह लापरवाही हुई।उच्च स्तरीय जांचः घटना की निष्पक्ष जांच किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा कराई जाए ताकि भ्रष्टाचार की परतों को खोला जा सके। छत्तीसगढ़ सरकार का संचालन उद्योगपतियों व्यापारियों द्वारा किया जा रहा है क्योंकि आए दिन हो रहे इस तरह से दुर्घटना के लिए सरकार द्वारा आजतक किसी भी उद्योगपतियों या फैक्ट्री संचालकों को दोषी नहीं ठहराया है इसके कारण उद्योगपतियों के हौसले बुलंद हैं।

एक नजर

जल निकासी, आवास निर्माण एवं नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निगम का विशेष प्रयास

राजनांदगांव, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिक निगम राजनांदगांव द्वारा शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल निकासी व्यवस्था, सड़क संधारण, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आवारा मवेशियों की रोकथाम संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है। वर्षा ऋतु को देखते हुए सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। शासन द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्वीकृत 3 करोड़ 39 लाख रूपए की लागत से बड़ा नाला -कन्हैया नाला का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इंदिरा नगर की ओर से नाला निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है तथा श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लायी गई है। नाला निर्माण पूर्ण होने के बाद जलभराव की समस्या में काफी हद तक राहत मिलेगी तथा वर्षा जल की निकासी सुचारू रूप से हो सकेगी। साथ ही जलभराव वाले क्षेत्रों में मलबा हटाने एवं बड़े नालों की नियमित सफाई का कार्य भी निरंतर जारी है। नगर निगम द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान शहर की सड़कों के संधारण का कार्य भी किया जा रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में पेचवर्क कराया जा रहा है तथा महावीर चौक स्थित गड्ढों की भी मरम्मत की जाएगी। लोक निर्माण विभाग को बसंतपुर रोड पर निर्मित डिवाइडर के क्षतिग्रस्त हिस्से का सुधार के संबंध में सूचित किया गया है। नगर निगम द्वारा स्वच्छता एवं आवागमन की बेहतर व्यवस्था के लिए जिला अस्पताल कॉलोनी में निर्मित सड़क एवं नालियों की नियमित साफ-सफाई की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र में 100 से अधिक आवासों का निर्माणाधीन है। तकनीकी अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण कर निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। शासन द्वारा हितग्राहियों के भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एसएलए (स्पर्श) प्रणाली के माध्यम से भुगतान किया जा रहा है। सभी निर्माणाधीन आवासों के चरणबद्ध भुगतान की कार्रवाई की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास का निधन, पत्रकार जगत में शोक

राजनांदगांव, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। प्रेस क्लब राजनांदगांव के संरक्षक, दैनिक अमृत संदेश के जिला ब्यूरो चीफ एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र व्यास का बुधवार 8 जुलाई को निधन हो गया है। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय लखोली मुक्तिधाम में किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा गुरुवार दोपहर 3 बजे उनके निज निवास हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी लालबाग से निकल जाएगी। राजेन्द्र व्यास प्रतिष्ठित गायत्री स्कूल (सीबीएसई) के प्राचार्य अंकित व्यास के पिता थे। वह अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरापुरा परिवार छोड़ गए हैं। व्यास मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मोतीलाल वोरा एवं स्व गोविंद लाल वोरा के भांजे थे। व्यास के निधन से पत्रकार जगत में भी शोक की लहर है।

बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से ठगी करने वाले दो लोग गिरफ्तार

तुमड़ीबोड पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर भेजा जेल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 9 जुलाई। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरापीयों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

प्रार्थिया धनेश्वरी साहू, निवासी ग्राम दिवानमेडी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि राहुल देशलहरे (निवासी मचानपार) एवं भागवत निषाद (निवासी अर्जुनी) ने उनकी पुत्री को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक तुमड़ीबोड़ में सहायक प्रबंधक तथा पुत्र को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक दिवानभेडी में क्लर्क के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर नगद एवं फोन-पे के माध्यम से कुल 1, 15, 000 रुपये प्राप्त कर न नौकरी लगाई और न ही राशि वापस कर धोखाधडी किया है।

पुलिस चौकी तुमडीबोड़ क्षेत्रान्तर्गत दुसरी घटना का प्रार्थी हेमंत साहू, निवासी डुमरडीह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोनों आरोपियों ने उसके पुत्र को भारतीय स्टेट बैंक रावनवाड़ी (डोंगरगढ़) में सहायक मैनेजर के पद पर नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर नगद एवं आनलाइन माध्यम से कुल 99, 000 रुपये प्राप्त कर धोखाधड़ी किया है।

दोनों मामलों की जॉच उपरान्त आरोपीगण के विरुद्ध पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारम्भ की गई। आरोपीयो द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर राशि प्राप्त करने संबंधी तैयार किये गये इकरारनामा, बैंक स्टेटमेंट एवं गवाहो के कथन पर आरोपीगण द्वारा प्रार्थीयो से नौकरी लगाने के नाम पर रकम प्राप्त कर धोखाधडी करना सबुत पाये जाने पर आरोपीयो को विवेचना में सहयोग हेतु विधीवत नोटिस तामील किए जाने के बाद भी सहयोग न कर आरोपीगण फरार हो गयें। आरोपीयो की पतासाजी कर आरोपी राहुल देशलहरे को राजनांदगांव से एवं आरोपी भागवत निषाद को डोंगरगढ़ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपी राहुल देशलहरे के द्वारा ठगी की राशि से खरीदा गया टाटा इंडिका कार क्रमांक छ्त्त 07 ,रु 6724 को विधीवत जप्त किया गया। आरोपियों को अपराध क्रमांक 248/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस एवं अपराध क्रमांक 249/2026 धारा 318(4), 3(5) बीएनएस में गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर आरोपीगण को जिला जेल राजनांदगांव भेजा गया।

आरोपीयो का नाम राहुल देशलहरे पिता सीता राम देशलहर उम्र 38 वर्ष निवासी ग्राम मचानपार चौकी तुमडीबोड़ जिला राजनांदगांव छ.ग. व भागवत निशाद पिता स्व. रति राम निषाद उम्र 57 वर्ष निवासी ग्राम अर्जुनी वार्ड नं. 08 थाना डोगरगांव जिला राजनांदगांव छ.ग. हैं। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक धनीराम नारंगे, प्र.आर. लोकनाथ वर्मा, आरक्षक प्रमोद करियारे, आरक्षक चंद्रशेखर यादव, आरक्षक लोकेश साहू एवं चौकी तुमडीबोड़ स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

राशन दुकानों में ओटीपी बंद होने से ग्राहक और दुकानदार दोनों परेशान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 9 जुलाई। प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत राशन दुकानों में मोबाइल ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण बंद किए जाने के बाद राशन वितरण व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। केवल बायोमेट्रिक (फिंगरप्रिंट) के माध्यम से राशन दिए जाने की व्यवस्था से उपभोक्ताओं और राशन दुकान संचालकों दोनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से वितरण प्रक्रिया धीमी हो गई है जिससे रोजमर्रा की आजीविका भी प्रभावित हो रही है।

शहर सहित जिले की अधिकांश उचित मूल्य दुकानों में इन दिनों राशन लेने आने वाले हितग्राहियों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। पहले जहां मोबाइल ओटीपी के माध्यम से आसानी से राशन वितरण हो जाता था वहीं अब केवल फिंगरप्रिंट से सत्यापन की अनिवार्यता के कारण प्रक्रिया में काफी समय लग रहा है। दुकान संचालकों का कहना है कि कई बुजुर्गों, मजदूरों और दिव्यांग हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट मशीन में सही तरीके से नहीं आते। कई बार सर्वर की धीमी गति और नेटवर्क की समस्या के कारण घंटों तक राशन वितरण बाधित रहता है। ऐसे में न तो हितग्राहियों को समय पर राशन मिल पाता है और न ही दुकानदार निर्धारित समय में वितरण कार्य पूरा कर पाते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से भी लगातार ऐसी शिकायतें सामने आ रही हैं कि फिंगरप्रिंट मिलान नहीं होने के कारण कई पात्र हितग्राहियों को बार-बार दुकान के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इससे मजदूरी करने वाले लोगों की रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही है क्योंकि उन्हें राशन लेने के लिए काम छोड़कर कई बार आना पड़ता है। राशन दुकानदारों का कहना है कि यदि मोबाइल ओटीपी की सुविधा पुनः शुरू कर दी जाए तो जिन हितग्राहियों के फिंगरप्रिंट मैच नहीं होते उन्हें भी आसानी से राशन मिल सकेगा और वितरण प्रक्रिया भी तेज होगी। उनका कहना है कि देश के कई राज्यों में बायोमेट्रिक के साथ ओटीपी का विकल्प उपलब्ध है जिससे उपभोक्ताओं और दुकानदारों दोनों को राहत मिलती है। राशन कार्डधारियों ने भी मांग की है कि छत्तीसगढ़ में भी अन्य राज्यों की तरह फिंगरप्रिंट के साथ मोबाइल ओटीपी का विकल्प उपलब्ध कराया जाए ताकि किसी भी तकनीकी परेशानी की स्थिति में पात्र हितग्राही राशन से वंचित न रहें। इधर सरकार के इस निर्णय को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। उपभोक्ताओं और राशन विक्रेताओं का कहना है कि व्यवस्था में सुधार के बजाय ओटीपी सुविधा बंद करने से अनावश्यक परेशानियां बढ़ गई हैं। उन्होंने शासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय पर पुनर्विचार कर जल्द से जल्द ओटीपी आधारित वैकल्पिक व्यवस्था पुनः लागू करने की मांग की है।

सरकार के अदूरदर्शी सोच की सर्वत्र हो रही निंदा

जिला खाद्य अधिकारी रविंद्र सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशों के अनुरूप सार्वजनिक वितरण प्रणाली में राशन वितरण की प्रक्रिया लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों तथा 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए ओटीपी की सुविधा उपलब्ध है। वहीं जो हितग्राही रोजगार या अन्य कारणों से दूसरे राज्यों में रह रहे हैं वे वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना के तहत वहां भी अपना राशन प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि ओटीपी सुविधा बंद होने के कारण आम हितग्राहियों को कुछ असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

जीआर मरकाम ने संभाला निगम आयुक्त का पदभार

राजनांदगांव, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिक निगम के नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम ने आज अपरान्ह में पदभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि छ.ग.शासन सामान्य प्रशासन विभाग, महानदी भवन मंत्रालय रायपुर के आदेश क्रं. इ ं . ए स . डी . बी . 102(1)/414/2026-जी.ए.डी.-4 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 07 जुलाई 2026 द्वारा जी.आर. मरकाम (राप्रसे, आर.आर.-2014) अपर कलेक्टर जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी को आयुक्त, नगर पालिक निगम राजनांदगांव के पद पर पदस्थ किया गया है। मरकाम ने आज अपरान्ह में नगर निगम कार्यालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया एवं नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

बिना आक्सीजन संयंत्र स्थापित किए चल रहे न्यू लुक बायोफ्यूल पर कार्रवाई करे प्रशासन : कांग्रेस

■ अवैध पानी परिवहन के साथ पर्यावरण व मानव जीवन को खतरे में डाल रही कंपनी : मुदलियार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 9 जुलाई। जिला अंतर्गत ग्राम फुलझर में स्थापित न्यू लुक बायोफ्यूल्स कंपनी एथेनॉल उत्पादन के दौरान निकलने वाली जहरीले CO_2 गैस से आम जनता के जीवन पर दुष्प्रभाव ना पड़े उसके लिए संयंत्र की भी स्थापना ना कर क्षेत्र की जनता के जीवन से खिलवाड़ करने के ज्वलंत मुद्दे को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार की अगुवाई में प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, प्रदेश सचिव प्रवीण मेश्राम, महामंत्री वीरेंद्र चंद्राकर, अशोक पंजवानी, विनय झा, प्रेम रुचंदानी, लक्ष्मण साहू, राजा तिवारी, शरद खंडेलवाल आदि ने कलेक्टर को ज्ञापन देकर कंपनी पर तत्काल कार्यवाही की मांग की है।

अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने बताया कि कंपनी में एथेनॉल निर्माण के दौरान उत्पन्न छ्व्ह्2 को संग्रहित कर शुद्धिकरण द्रव हेतु संयंत्र की स्थापना का पर्यावरण आयोग के आज्ञापक शर्त के उल्लंघन से आसपास के ग्रामीणों के साथ-साथ पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है क्षेत्र में जहरीली गैस फैलने से फेफड़े रोग, श्वसन रोग सहित अन्य रोग से आम जनता ग्रसित हो रही है ईसीपी के खराबी से चिमनियों से निकल रहे धुँआ का भी समुचित प्रबंधन कंपनी ने नहीं किया है यहां तक वायु प्रदूषण के लिए लगाई गई इलेक्ट्रो स्टेटिक प्रेसिप्टर भी गुणवत्ताहीन है।

कंपनी के अनैतिक कृत्य के चलते जनता आंदोलनरत है क्योंकि अवैध रूप से पानी के रात के अंधेरे में पाइप लाइन डालना जलाशय को कब्जे की नीयत से तार घेरा करना, खदानों से अवैध पानी परिवहन जैसे अवैध कार्य में लिप्त इस कंपनी की जांच आवश्यक है ।

प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने कहा कि 12.55 एकड़ में स्थापित उक्त कंपनी को शर्त अनुसार 33त्न में वृक्षारोपण एवं 15त्न पार्किंग स्थल अनिवार्य है किंतु इन सबको दरकिनार कर उत्पादन प्रारंभ करना अवैध है इसलिए पर्यावरण को विशेष टीम से जांच करा कर पर्यावरण मानको की अवहेलना, बिना ष्ठ 2 संयंत्र की स्थापना, पर्यावरण प्रदूषण एवं मानव जीवन को खतरा उत्पन्न किए जाने वाले कृत्य के लिए कंपनी संचालकों पर कार्यवाही कर अवैध कार्य में लिप्त कंपनी को जनस्वास्थ्य को देखते हुए तत्काल बंद करने का आदेश रूपी ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया है।

ज्ञापन के दौरान ऋषि शास्त्री, राकेश चंद्राकर, नरेश साहू, ललित मरकाम, प्रदीप राठौर, सुरेंद्र देवांगन, महेंद्र बहादुर सिंह, सीताराम श्रीवास, राजा यादव, शैलेश जैन, अरशद खान, नरेंद्र सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित थे।

टेडेसरा में शासकीय व सार्वजनिक उपयोग की जमीन पर कब्जे का प्रयास

ग्रामीणों ने उखाड़े पोल-तार, शासकीय भूमि पर नहीं होने दिया कब्जा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 9 जुलाई। ग्राम पंचायत टेडेसरा में शासकीय एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर कथित अवैध कब्जे के प्रयास को ग्रामीणों की एकजुटता ने विफल कर दिया। ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों और महिलाओं ने मौके पर पहुंचकर लगाए गए पोल और जालीदार तार हटाए तथा ग्रामसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गांव की सार्वजनिक संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ग्राम पंचायत टेडेसरा में वर्षों से शासकीय अभिलेखों में दर्ज सार्वजनिक भूमि पर कथित रूप से बाहरी लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे के प्रयास का ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध किया। ग्रामीणों, पंचों और पंचायत प्रतिनिधियों के विरोध के बाद मौके पर लगाए गए पोल और जालीदार तारों को हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। घटना के बाद गांव में विशेष बैठक आयोजित कर सार्वजनिक एवं शासकीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया। ग्राम पंचायत टेडेसरा के पूर्व सरपंच एवं ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने बताया कि संबंधित भूमि वर्षों से शासकीय भूमि के रूप में दर्ज है और गांव के लोगों द्वारा निस्तारी कार्यों के लिए उपयोग की जाती रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भिलाई और उरला क्षेत्र से आए कुछ लोगों ने दो दिन पहले रात करीब दो बजे इस भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक विरोध के बाद संबंधित लोग कुछ समय के लिए लौट गए लेकिन बाद में बड़ी संख्या में वापस आकर रातों-रात पोल गाड़ दिए और जालीदार तार लगाकर भूमि की घेराबंदी कर दी।

साहू ने कहा कि जिस स्थान पर कब्जे का प्रयास किया गया वहां प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक बाजार लगता है तथा यह पूरे गांव के लिए महत्वपूर्ण सार्वजनिक और निस्तारी स्थल है।

उन्होंने कहा यह जमीन पहले भी शासकीय थी आज भी शासकीय है और आगे भी शासकीय ही रहेगी। किसी भी बाहरी व्यक्ति को इस पर अवैध कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। वार्ड क्रमांक 15 की पंच बिंदेश्वरी साहू ने बताया कि जैसे ही ग्रामीणों को भूमि की घेराबंदी की जानकारी मिली, पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर लगाए गए पोल और जालीदार तारों को हटाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

पूर्व सरपंच देवलाल साहू ने गांव में मुनादी कराकर विशेष बैठक बुलाई, जिसमें वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गांव की इस सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा।

बिंदेश्वरी साहू ने कहा यह हमारे पुरखों की धरोहर है। यहां गांव के बच्चे खेलते हैं बुजुर्ग बैठते हैं और ग्रामीण विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के लिए इसका उपयोग करते हैं। इसकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। ग्रामीण लक्ष्मण यादु ने बताया कि 6 जुलाई को कब्जे के प्रयास की सूचना मिलते ही खेतों में काम कर रहे ग्रामीण भी तत्काल वापस लौट आए। देखते ही देखते बड़ी संख्या में गांव के युवा, महिलाएं और ग्रामसभा के सदस्य मौके पर पहुंच गए।

किसान असिंचित क्षेत्रों में धान के बदले अन्य वैकल्पिक फसलों को दें बढ़ावा

■ शासन द्वारा दी जा रही 15000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन सहायता राशि

■ कृषि विभाग ने किसानों को दी समसामयिक सलाह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव, 9 जुलाई। जिले में वर्तमान खरीफ मौसम के दौरान अब तक लगभग 1700 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो गत वर्ष की इसी अवधि में हुई लगभग 1500 मिमी वर्षा की तुलना में 200 मिमी अधिक है। कृषि विभाग द्वारा केवल वर्षा की मात्रा को देखकर असिंचित एवं ऊँचाई वाली भूमि में धान की खेती का निर्णय न लेने, बल्कि अपनी भूमि की प्रकृति एवं वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप फसल का चयन करने की अपील की है।

उप संचालक कृषि टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि राजनांदगांव जिले की कृषि जलवायु तथा मृदा संरचना काली दोमट, मटासी एवं भर्री भूमि से युक्त है। जिले में बड़ी मात्रा में ऐसी भर्री एवं ऊँचाई वाली भूमि उपलब्ध है, जहां वर्षा का पानी अधिक समय तक नहीं ठहरता। ऐसी भूमि अरहर, उड़द, मूंग, सोयाबीन, कपास एवं मक्का जैसी फसलों के लिए अत्यंत उपयुक्त मानी जाती है। कृषि विभाग द्वारा विगत वर्षों में किए गए फसल कटाई प्रयोगों एवं उत्पादकता विश्लेषण से यह पाया गया है कि असिंचित एवं ऊँचाई वाली भूमि में धान की औसत उत्पादकता केवल 8 से 10 क्विंटल प्रति एकड़ ही प्राप्त होती है, जिससे किसानों को लगभग 19528 रूपए से 24410 रूपए प्रति एकड़ सकल आय प्राप्त होती है। इसके विपरीत वैकल्पिक फसलों में बेहतर आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहती है। औसतन अरहर से 4-5 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन एवं लगभग 32 हजार रूपए से 40 हजार रूपए प्रति एकड़ सकल आय, मूंग से 3-4 क्विंटल उत्पादन एवं 26304 रूपए से 35072 रूपए तक आय, उड़द से 3-4 क्विंटल उत्पादन एवं 23400 रूपए से 31200 रूपए तक आय तथा सोयाबीन से 5-7 क्विंटल उत्पादन एवं 26640 रूपए से 37296 रूपए तक संभावित सकल आय प्राप्त हो सकती है।

राहुल गांधी गुटबाजी नहीं चाहते और वही होती रहती है

आम तौर पर माना जाता है कि पार्टी है तो नेता है।यह सच भी है कि पार्टी होने के कारण ही सब नेता व कार्यकर्ता होते हैं। कांग्रेस में इस सच को नहीं माना जाता है,वहां माना जाता है कि हमारा नेता है इसलिए पार्टी है। पार्टी होने के कारण हमारा नेता नहीं है। यानी पार्टी हमारे नेता से बड़ी नहीं हो सकती, हमारा नेता पार्टी से बड़ा रहा है और आगे भी पार्टी से बड़ा रहेगा।कांग्रेस के बड़े और आलाकमान के प्रति वफादार नेता यही कहते रहते हैं और दूसरे नेताओं से यही मानने को कहते हैं। पंजाब कांग्रेस में बगावत से स्वर सुनाई दे रहे है तो वहां के प्रभारी और छत्तीसगढ़ की सीएम भूपेश बघेल जब यह कहते हैं कि पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व में बदलाव बच्चों का खेल नही है तो वह इसी सत्य की ओर की इशारा करते हैं कि जब आलाकमान ने कोई फैसला ले लिया तो वह अंतिम होता है।उसे बदला नहीं जा सकता। यानी सबको आलाकमान की बात माननी होगी।आलाकमान देश मेे नहीं है इसलिए दिल्ली से पंजाब नेताओं को भेजा जा रहा है कि विवाद को खत्म कराया जाए,भूपेश बघेल भी इसी कोशिश में लगे है कि पंजाब के नेता उसे मान लें जो आलाकमान ने कह दिया है। राहुल गांधी देश में नहीं है,पंजाब में कांग्रेस गुटबाजी सतह पर है और पूरे देश में चर्चा की विषय बनी हुई है। जिस राज्य में भी चुनाव होना होता है तो वहां चुनाव के पहले गुटबाजी सतह पर जरूर आती है। कांग्रेस की परंपरा रही है कि चुनाव के पहले जितने गुट के नेता होते है,वह चाहते हैं कि सीएम का चेहरा उनको बनाया जाना चाहिए। कांग्रेस में अक्सर होता यह है कि प्रदेश का जो अध्यक्ष होता है,वही बाद में सीएम बनाया जाता है।इसलिए चुनाव के पहले कांग्रेस के बड़े नेता जो सीएम पद के दावेदार होते हैं।वह चाहते हैं कि उनको प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया जाए ताकि सीएम पद पर उनकी स्वाभाविक दावेदारी रहे। वह कह सकें कि मैंने कांग्रेस को चुनाव जिताया है इसलिए सीएम तो मुझे ही बनाया जाना चाहिए।पंजाब के पूर्व सीएम व सांसद चरणजीत सिंह चन्नी चाहते थे कि आलाकमान उनको पंजाब प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए।कांग्रेस आलाकमान से चूक यह हो गई कि उसने पहले तो यह जानने के लिए कुछ लोगों को भेजा कि पंजाब में सबसे लोकप्रिय नेता कौन है, कौन कांग्रेस को चुनाव जिता सकता है। कई नेताओं ने पंजाब जाकर सभी छोड़े बड़े नेताओं से मिलकर एक रिपोर्ट बनाई। कांग्रेस नेताओं ने वह रिपोर्ट आलाकमान को दी । इस रिपोर्ट के अनुसार तो पूर्व सीएम चन्नी सबसे लोकप्रिय नेता थे, इस बात का पता चन्नी को था कि रिपोर्ट तो उनके पक्ष में है और आलाकमान रिपोर्ट के अनुसार उनको प्रदेश अध्यक्ष बनाएगा। लेकिन कांग्रेस के आलाकमान जैसा चन्नी चाहते थे, वैसा नहीं किया। उन्होंने जो प्रदेश अध्यक्ष है राजा वारिंग उनको अध्यक्ष बनाए रखा और चन्नी को चुनाव समिति का अध्यक्ष बनाया गया। चन्नी समर्थकों को आलाकमान का यह फैसला पसंद नहीं आया, उनकी मांग है कि आलाकमान अपने फैसले पर फिर से विचार करे और चन्नी को पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बनाए।इसी बात पर भूपेश बघेल ने कहा है कि पंजाब में नेतृत्व का बदलाव कोई बच्चों का खेल नहीं है। आपने मांग की और मांग मान ली जाएगी। चन्नी समर्थकों की नाराजगी इस बात से है कि आलाकमान को जब प्रदेश अध्यक्ष बदलना नहीं था तो उसने कांग्रेस नेताओं को यह जानने पंजाब भेजा क्यों कि वहां सबसे लोकप्रिय नेता कौन है। जब यह पता लग गया तो चन्नी को अध्यक्ष बनाया क्यों नहीं गया। कांग्रेस आलाकमान ने पंजाब में पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी इसी तरह की गलती की थी और उस गलती के कारण कांग्रेस जो चुनाव जीत रही थी,चुनाव हार गई थी। कांग्रेस आलाकमान गलती करता है और उसका खामियाजा कांग्रेस और कांग्रेस नेताओ को राज्य में भुगतना पड़ता है। चन्नी को अमरिंदर सिंह के मुकाबले किसने खड़ा किया था,आलाकमान ने। आज वही चन्नी आलाकमान के फैसले को मानने से मना कर रहा है।चन्नी और समर्थक अड़े हुए है कि चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया जाए।सभी सक्रिय है विवाद को सुलझाने के लिए लेकिन विवाद सुलझा नहीं है, भूपेश पंजाब गए तो चन्नी उनसे मिलने नहीं आए और सोशल मीडिया मे उनकी तरफ से तस्वीर डाली गई है जिसमें लिखा गया है कि एकता में बल है। यानी हम सब एकजुट है। आलाकमान चाहता है चुनाव के पहले कांग्रेस एकजुट दिखे लेकिन गुटबाजी के चलते कई राज्यो में कांग्रेस एकजुट दिखती नही है। कांग्रेस आलाकमान कहता है कि गुटबाजी नहीं होनी चाहिए और कांग्रेस में गुटबाजी चुनाव के समय सबसे ज्यादा होती है।इसी का नुकसान कांग्रेस को कई राज्यों में हुआ है।

केरल चुनाव में कांग्रेस के जीतने के बाद भी गुटबाजी जमकर हुई थी, राज्य के कांग्रेस नेता चाहते थे कि सतीशन को सीएम बनाया जाए और आलाकमान चाहता था कि वेणुगोपाल को सीएम बने।दस दिन बाद पहली बार ऐसा हुआ कि किसी राज्य में आलाकमान की पसंद का सीएम नहीं बना और पहली बार कांग्रेस नेताओं को इस सच का पता चला कि राज्य में उनकी पकड़ मजबूत है तो आलाकमान को झुकाया जा सकता है,उससे अपनी बात मनवाई जा सकती है।कर्नाटक फैसले से भी आलाकमान कमजोर हुआ है क्योंकि डीके शिवकुमार को सीएम बनाना पड़ा।जबकि छत्तीसगढ़ व राजस्थान में जो सीएम बना वह पांच साल तक सीएम बना रहा था। दोनों जगह कांग्रेस चुनाव हारी। कर्नाटक में कांग्रेस ने हारे इसलिए सीएम बदला गया है लेकिन गुटबाजी के चलते जो हाल हरियाणा में कांग्रेस का हुआ, वही हाल पंजाब,कर्नाटक में होने के पूरे आसार है।

सफरनामा

देवभूमि: प्रकृति, आस्था और संस्कृति का अद्भुत संगम

संकल्प मिश्रा

उत्तराखंड को यूँ ही देवभूमि नहीं कहा जाता। हिमालय की ऊँची चोटियाँ, कल-कल बहती नदियाँ, प्राचीन मंदिर, हरियाली से आच्छादित पर्वत और आध्यात्मिक वातावरण इस राज्य को भारत की सबसे विशिष्ट धरोहरों में शामिल करते हैं। हाल ही में छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित अध्ययन भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत उत्तराखंड जाने का अवसर मिला, जिसने इस प्रदेश को नज़दीक से समझने, महसूस करने और उससे सीखने का अवसर प्रदान किया।

इस छह दिवसीय अध्ययन भ्रमण में कुल 25

सदस्य शामिल थे, जिनमें पाँच जनसंपर्क अधिकारी तथा शेष विभिन्न समाचार पत्रों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार थे। इस पूरे दल में सबसे कम उम्र का सदस्य होने के नाते यह यात्रा मेरे लिए और भी विशेष रही। वरिष्ठ पत्रकारों के साथ समय बिताने, उनके अनुभवों को सुनने और पत्रकारिता के बदलते स्वरूप को समझने का अवसर मिला। विशेष रूप से यह सीखने को मिला कि आधुनिक डिजिटल दौर में भी समाचार पत्रों को प्रभावी ढंग से कैसे संचालित और प्रासंगिक बनाए रखा जा सकता है। देहरादून पहुँचते ही पहाड़ों की शीतल हवा और प्राकृतिक सौंदर्य ने मन को आकर्षित कर लिया। शहर आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन का सुंदर उदाहरण दिखाई देता है। यहाँ की स्वच्छता, अनुशासित यातायात और शांत वातावरण विशेष रूप से प्रभावित करते हैं।

यात्रा का अगला पड़ाव हरिद्वार रहा। हर की पौड़ी पर माँ गंगा की आरती का दृश्य जीवनभर याद रहने वाला अनुभव है। सैकड़ों दीपों की रोशनी, मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की आस्था ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं प्रकृति और अध्यात्म एक साथ उपस्थित हों। इसके बाद ऋषिकेश पहुँचना भी यादगार रहा। लक्ष्मण झूला और राम झूला से गंगा के मनोरम दृश्य मन को मोह लेते हैं। योग नगरी के रूप में विश्वभर में प्रसिद्ध ऋषिकेश में देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भारतीय संस्कृति और योग परंपरा से जुड़ते दिखाई देते हैं। यहाँ का शांत वातावरण आत्मिक ऊर्जा का अनुभव कराता है।

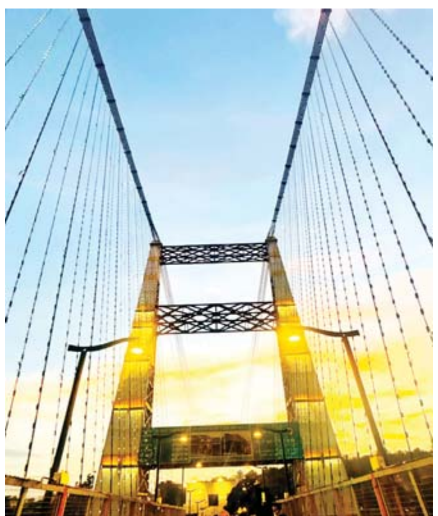

यात्रा के चौथे दिन हरिद्वार से मसूरी की ओर प्रस्थान हुआ। पहाड़ों की घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए बादलों के बीच पहुँचना किसी स्वप्न जैसा अनुभव था। कई स्थानों पर बादल इतने करीब थे कि मानो उन्हें छू सकते हों। रायपुर की लगभग पाँच महीने तक रहने वाली भीषण गर्मी के बाद मसूरी का ठंडा और सुहावना मौसम किसी नवंबर-दिसंबर की सर्द सुबह जैसा सुखद एहसास दे रहा था।

प्रकृति की गोद में बिताए वे दो दिन इस पूरी यात्रा की सबसे सुंदर यादों में शामिल हो गए। उत्तराखंड की सबसे बड़ी विशेषता उसकी प्राकृतिक विविधता है। ऊँचे-ऊँचे पर्वत, घने जंगल, झरने, घाटियाँ और निर्मल नदियाँ इस प्रदेश को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग बनाती हैं। यहाँ पर्यटन केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश भी देता है।

अध्ययन भ्रमण के दौरान यह भी देखने को मिला कि उत्तराखंड सरकार पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, धार्मिक स्थलों के सुव्यवस्थित विकास और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर गंभीरता से कार्य कर रही है। प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक व्यवस्थाओं का विकास जिस संतुलित तरीके से किया गया है, वह प्रशंसनीय है। ऐसी कई पहल छत्तीसगढ़ जैसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती हैं। यदि पर्यटन, विरासत संरक्षण और जनसुविधाओं के क्षेत्र में ऐसे मॉडल अपनाए जाएँ तो छत्तीसगढ़ की पहचान और संभावनाएँ भी राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सशक्त हो सकती हैं।

अध्ययन यात्रा के दौरान देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस मुलाक़ात के दौरान उत्तराखंड के समग्र विकास, पर्यटन, धार्मिक स्थलों के सुव्यवस्थित विस्तार, आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर उनकी दूरदर्शी सोच और स्पष्ट विज़न को जानने का अवसर मिला। राज्य की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों को संरक्षित रखते हुए विकास को गति देने की उनकी प्रतिबद्धता अत्यंत प्रभावशाली लगी। उनके विचारों से यह महसूस हुआ कि योजनाबद्ध विकास और जनहितकारी सोच के माध्यम से उत्तराखंड को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

यह यात्रा केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रही, बल्कि सीखने, समझने और नए अनुभवों को आत्मसात करने का अवसर भी बनी। पत्रकारिता, प्रशासन, पर्यटन प्रबंधन और प्रकृति संरक्षण जैसे अनेक विषयों पर नई दृष्टि मिली। छह दिनों की यह यात्रा जीवन के उन अनुभवों में शामिल हो गई, जो व्यक्ति के विचारों और कार्यशैली दोनों को समृद्ध बनाते हैं।देवभूमि से लौटते समय स्मृतियों

में हिमालय की वादियाँ, गंगा की निर्मल धारा, मसूरी के बादल, वरिष्ठ पत्रकारों का मार्गदर्शन और उत्तराखंड के लोगों का आत्मीय व्यवहार हमेशा के लिए बस गया। यह यात्रा मेरे लिए केवल एक अध्ययन भ्रमण नहीं, बल्कि सीख, प्रेरणा और अनुभवों का ऐसा अमूल्य सफर रही, जिसे मैं जीवनभर याद रखूँगा। उत्तराखंड वास्तव में भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और प्राकृतिक विरासत का अनमोल रत्न है।

सू- दोकू क्र.094

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.093 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

शब्द सामर्थ्य -094

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

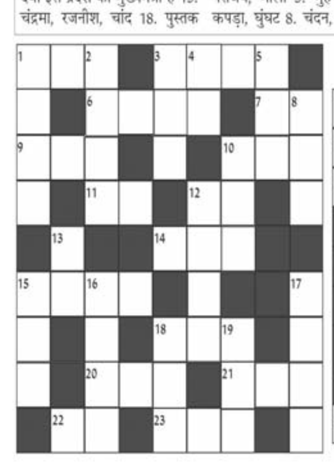

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 093 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

पेट्रोल में एथनाल : आख़िर ये माजरा क्या है ?

निर्मल रानी

भारत में इन दिनों पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल का मिश्रण किये जाने यानी ई 20 पेट्रोल के इस्तेमाल से होने वाले नुक़्सान को लेकर बहस छिड़ गयी है। इसके प्रयोग से देश भर से वाहनों के इंजन ख़राब होने की ख़बरें मीडिया में आने लगी हैं। ई20 उपभोक्ता अब न केवल इसकी शिकायतें करने लगे हैं बल्कि जगह जगह इसे लेकर धरना प्रदर्शन भी होने लगे हैं। गत दिनों तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी ई 20 मिश्रित पेट्रोल के विरोध में प्रदर्शन किया गया।और इससे वाहनों को होने वाले नुक़्सान को लेकर सरकार को अवगत कराया गया। भारत में हो रहे इसके विरोध व इसके इस्तेमाल से आ रही परेशानियों व वाहनों को हो रहे कथित नुक़्सान की ख़बरों के बीच पड़ोसी देश भूटान ने भी भारतीय तेल कंपनियों से एथनाल मिश्रित ई 20 पेट्रोल वहां न भेजने व केवल पूर्व में भेजा जा रहा केवल शुद्ध XP100 जैसे पेट्रोल की आपूर्ति करने को कहा है। भूटान द्वारा इसका कारण यह बताया गया है कि पेट्रोल पंपों पर भण्डारण के पुराने भूमिगत फ़्यूल टैंक में ई 20 पेट्रोल के भण्डारण की वजह से पानी के रिसाव का जोखिम है जिससे एथनाल मिश्रित ईंधन ख़राब हो सकता है। क्योंकि इथेनॉल की प्रवृति नमी को आकर्षित करने वाली होती है और वातावरण से नमी लेने पर ईंधन की गुणवत्ता घट सकती है और इंजन में अनेक प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा पहाड़ी इलाक़े में स्टोरेज और सप्लाई श्रृंखला को आधुनिक करना भी आवश्यक होगा, जिसमें तत्काल परिवर्तन करना जोखिमपूर्ण माना गया। भूटान द्वारा अपनी आपत्ति में पहाड़ी रास्तों में वाहन के परफ़ार्मेंस पर भी फ़र्क़ पड़ने का संदेह व्यक्त किया गया है। भारत में भी देश भर से गाड़ियों के ख़राब होने,गाड़ियों की पेट्रोल टंकी के गलने व ज़ंग लगने,माइलेज कम होने व इंजन के ख़राब होने तक की शिकायतें आने लगी हैं। और उधर इसी ई 20 पेट्रोल की आपूर्ति व खपत की आड़ में शुद्ध पेट्रोल यानी XP100 का मूल्य 167 रूपये प्रति लीटर तक हो गया है। एथनाल के उपयोग से केवल गाड़ियां ही ख़राब नहीं हो रही हैं बल्कि इसके उत्पादन में भी पानी का भी बेतहशा दुरूपयोग किया जा रहा है जिससे भविष्य में यह जलसंकट का कारण भी बन सकता है। ग़ौरतलब है कि एथनॉल का उत्पादन चावल ,मक्का और गन्ना आदि की फ़सलों से होता है। और इन सभी फ़सलों की पैदावार में बेतहाशा पानी का इस्तेमाल होता है। इसके बाद जब इसी फ़सल से एथनॉल बनाया जाता है तो इसमें और भी ज़्यादा पानी ख़र्च होता है। मिसाल के तौर पर चावल से 1 लीटर एथनॉल बनाने में लगभग 10790 लीटर पानी ख़र्च होता है जबकि मक्का से 1 लीटर एथनॉल बनाने में क़रीब 4670 लीटर पानी की खपत होती है इसी तरह गन्ने से मात्र 1 लीटर एथनाल बनाने में तक़रीबन 3630 लीटर पानी लगता है। गोया पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण की नीति

देश के जल बचाने के अभियान के ठीक विरुद्ध जलसंकट खड़ा करने में भी सहायक हो सकती है। ज़रा सोचिये कि जब E20 पेट्रोल की आपूर्ति में जल का इतना इस्तेमाल होता है तो यदि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की इच्छानुसार पेट्रोल में 85 प्रतिशत मिश्रण कर E85 की आपूर्ति की योजना पर अमल किया गया तो भारत जैसे उस देश में पानी के अकाल को कैसे टाला जा सकेगा जहां के कई इलाक़ों में पहले ही पीने का पानी लोगों को मयस्सर नहीं है ? हालांकि अब ख़बर यह भी आ रही है कि भारी विरोध के बीच केंद्र सरकार अब E25 पेट्रोल को लागू करने की योजना को फ़िलहाल टाल सकती है। सरकारी सूत्रों के अनुसार सरकार अब इस ई25 बदलाव को जल्दबाज़ी में लागू करने के बजाय चरणबद्ध तरीक़े से आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। देश में पेट्रोल में एथनाल के मिश्रण को लेकर कुछ ज़िम्मेदार लोगों के विरोधाभासी बयान भी सुनाई दे रहे हैं। इसकी वजह से आम लोगों में एथनाल के मिश्रण के प्रति अविश्वास व भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। मिसाल के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्ज़ीक्युटिव वाईस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने अपने एक इंटरव्यू में पहले तो यह स्वीकार किया था कि E20 पेट्रोल के इस्तेमाल से "बेशक फ़्यूल एफ़िशिएंसी में कुछ कमी आती है।" परन्तु बाद में उन्होंने ही प्रेस कॉन्फ़्रेंस में इसे परफ़ॉर्मेंस के मामले में 'बेहतरीन ईंधन' भी बता डाला। इसी तरह भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बायोफ़्यूलस के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर अनुराग सरावगी ने भी स्वीकार किया था कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ियों की माइलेज में 30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। इतना ही नहीं बल्कि भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने गत 30 जून को सर्वोच्च न्यायलय में एक सुनवाई के दौरान अदालत को यह भी बताया कि E-20 पेट्रोल का इस्तेमाल फ़िलहाल एक प्रयोग के तौर पर किया जा रहा है। इस बात के सार्वजनिक होने के बाद तो लोगों में और भी आक्रोश फैल गया कि आख़िर प्रयोग के तौर पर उन्हें 'गिनी पिग' अर्थात प्रयोग किये जाने वाला जीव क्यों बनाया जा रहा है। उसके बाद सरकार की तरफ़ से यह स्पष्टीकरण जारी किया गया कि अटॉर्नी जनरल के हवाले से कही जा रही बातें ग़लत हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी एक तरह से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की बातों का समर्थन करते हुए इस बात पर नाराज़गी जताई कि '3.6 करोड़ भारतीय कार मालिकों पर इसतरह के प्रयोग क्यों किए जा रहे हैं ? उन्होंने कहा कि अभी भारत में 10 में से 9 गाड़ियां E20 के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह नीति आम सहमति के बिना और इसके होने वाले परिणामों को समझे बग़ैर लागू कर दी गई है । खड़गे ने यह भी कहा, "हमारी गाड़ियों में इसे ज़बरदस्ती डालने के बाद आप राष्ट्रीय स्तर पर ईंधन बदलने की इस प्रक्रिया को 'प्रयोग' नहीं कह सकते। उन्होंने कहा कि जब सरकार का अपना डेटा ही अभी तक तैयार नहीं है, तो नागरिकों को नुक़्सान साबित करने की चुनौती नहीं दी जा सकती । आम लोग 'गिनी पिग' नहीं हैं न ही हमारी सड़कें टेस्ट ट्रैक हैं और देश के उपभोक्ताओं की जेबें सरकार के ट्रायल का बजट नहीं हैं। खड़गे ने E20 को वापस लेने मांग करते हुये कहा कि सरकार पहले इसे प्रयोग के योग्य,स्वीकार्य व प्रमाणित ईंधन साबित करे, फिर इसे प्रयोग करने की नीति लागू करें।" निश्चित रूप से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनाल मिश्रण देश के वाहन धारकों के लिये फ़िलहाल एक समस्या बन गया है और सरकार द्वारा इसके पक्ष में दिए जा रहे तर्कों व विशेषज्ञों व इस नीति के आलोचकों द्वारा उठाये जा रहे बिंदुओं के बीच देश समझ ही नहीं पा रहा है की आख़िर ये माजरा क्या है ?

व्यंग्य

अंतहीन सन्नाटा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

पीली पड़ती दीवारों के उस उदास कोने में, जहाँ समय जैसे किसी पुरानी कील से टंगा हुआ ठहर गया था, रमेश अपनी टूटी हुई चारपाई पर बैठा हुआ था। कमरे की हवा में गरीबी की सीलन और अनकही कहानियों का ऐसा गाढ़ापन था कि सांस लेना भी किसी भारी वजन को उठाने जैसा लगता था। दीवार पर टंगे कैलेंडर की तारीखें बीत चुकी थीं, पर उस घर की नियति वहीं जमी हुई थी जहाँ कई साल पहले एक हादसे ने दस्तक दी थी। कोने में रखी वैसाखियाँ इस बात की गवाह थीं कि रफ्तार सिर्फ बाहर की सड़कों पर होती है, इस चौखट के भीतर तो बस रेंगना ही नसीब था। रमेश के चेहरे पर फैली झुर्रियां किसी नक्शे की तरह थीं, जिसमें सिर्फ दुखों के रास्ते बने हुए थे। वह हर आने-जाने वाले की आहट पर चौंक उठता, जैसे कोई भूला-बिसरा सच उसका दरवाजा खटखटाने वाला हो।

"अरे ओ रमेश भाई, आज फिर उसी आस में बैठे हो क्या?" पड़ोस के बूढ़े दीनू ने दरवाजे की दरार से झांकते हुए अपनी देहाती बोली में पूछा। रमेश ने एक गहरी सांस ली और अपनी सूनी आँखों से दीवार पर टंगे उस छोटे से टीवी को देखा जो महीनों से बंद पड़ा था। "का कहें दीनू काका, जिंदगी तो कब की पटरी से उतर चुकी है, अब तो बस इस मलबे में सांसे ढूंढ रहे हैं।" उसकी आवाज में एक ऐसा सन्नाटा था जो सीधे कलेजे को चीरता हुआ पार निकल जाता था। दीनू काका ने अपना सिर हिलाया और बड़बड़ाते हुए आगे बढ़ गए, "नासपीटी किस्मत भी ऐसी लात मारती है कि बंदा उठने लायक नहीं बचता।" कमरे का वह अकेलापन अब रमेश को डसने लगा था, और हर बीतता पल उसकी छाती पर एक भारी पत्थर की तरह बैठता जा रहा था।शहर की चकाचौंध से दूर इस बदरंग कमरे में हर दिन एक नया तमाशा होता था, जिसे लोग सहानुभूति का नाम देते थे। कुछ लोग आते, रमेश की बेबसी की तस्वीरें खींचते और अपनी फाइलों में बंद करके चले जाते। रमेश को लगता था कि वह कोई इंसान नहीं, बल्कि किसी अजायबघर की कोई ऐसी वस्तु बन चुका है जिसे देखकर लोग बस 'आह' भर सकते हैं। "बाबूजी, क्या मेरी इस हालत का कोई अंत है या मुझे यूँ ही घिसट-घिसट कर इस दुनिया से विदा होना पड़ेगा?" रमेश ने एक बार एक बड़े अधिकारी से पूछा था, जो उसकी बैसाखियों को देखकर अपनी गाड़ी का शीशा चढ़ा रहा था। अधिकारी ने बिना उसकी तरफ देखे कहा था, "सब्र करो रमेश, सरकारी कागज अपनी रफ्तार से चलते हैं, तुम्हारी बेबसी से उनकी गति नहीं बदलेगी।" वह जवाब रमेश के दिल में किसी सुलगते हुए अंगारे की तरह बैठ गया था। शाम ढलने लगी थी और कमरे की पीली रोशनी में रमेश का साया दीवार पर और भी बड़ा और डरावना दिखने लगा था। उसकी आँखों से आंसू की एक बूंद टपकी और सीधे उसकी फटी हुई लुंगी पर जा गिरी, जहाँ गरीबी ने पहले ही अपने गहरे निशान छोड़ रखे थे। उसे याद आ रहा था अपना वह अतीत, जब उसके पास भी दो मजबूत पैर थे और वह अपनों के लिए कमाकर लाता था। लेकिन एक पल की चूक ने उसे इस चारपाई का कैदी बना दिया था, जहाँ से वह सिर्फ दुनिया को बदलते देख सकता था, खुद को नहीं। "भगवान भी परीक्षा उसी की लेता है जिसके पास सहने की ताकत खत्म हो चुकी होती है," उसने खुद से बुदबुदाते हुए कहा। उसकी इस मार्मिक स्थिति को देखकर कमरे की बेजान चीजें भी जैसे रो रही थीं, पर इंसानों की बस्ती में उसकी इस चीख को सुनने वाला कोई नहीं था।

अचानक बाहर किसी गाड़ी के रुकने की आवाज आई और रमेश का दिल जोर से धड़कने लगा। उसे लगा कि शायद उसकी पेंशन के कागजात आ गए हैं, या फिर कोई उसकी सुध लेने आया है। दरवाजे पर एक नौजवान हाथ में एक बड़ा सा लिफाफा लेकर खड़ा था, उसके चेहरे पर एक अजीब सी औपचारिकता वाली मुस्कान थी। "क्या आप ही रमेश कुमार हैं?" नौजवान ने कड़क आवाज में पूछा। रमेश ने कांपते हाथों से अपनी वैसाखियों को छुआ और बोला, "हाँ साहब, मैं ही अभागा रमेश हूँ, क्या मेरी अर्जी मंजूर हो गई?" नौजवान ने लिफाफा उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, "बधाई हो, सरकार ने आपकी इस दयनीय स्थिति और बहादुरी को देखते हुए आपको 'शहर का सबसे आत्मनिर्भर दिव्यांग' घोषित किया है और इस सम्मान के साथ आपको यह मेडल दिया जाता है।" रमेश ने कांपते हाथों से वह लिफाफा खोला, जिसके भीतर एक चमचमाता हुआ पीतल का मेडल और एक सर्टिफिकेट था। उसने अपनी सूनी आँखों से उस मेडल को देखा और फिर अपनी उन बैसाखियों को, जो जंग खा रही थीं। उस मेडल के नीचे छोटे अक्षरों में लिखा था कि इस सम्मान के बदले उन्हें कोई आर्थिक सहायता नहीं दी जाएगी, क्योंकि उनका जज्बा ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। रमेश की आँखों से आंसुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, वह जोर-जोर से हंसने लगा और फिर उसकी हंसी चीखों में बदल गई। उसने उस मेडल को अपने सीने से लगा लिया, जिसे खाकर वह अपनी भूख नहीं मिटा सकता था और न ही अपने पैरों का इलाज करा सकता था। व्यवस्था ने उसकी बेबसी का ऐसा क्रूर मजाक उड़ाया था कि अब रोने के लिए उसकी आँखों में पानी भी नहीं बचा था, सिर्फ एक अंतहीन सन्नाटा था।

भीमारमपारा की सड़क की मरम्मत नहीं कराए जाने से

बारिश में कीचड़ व गड्ढों के चलते ग्रामीणों व स्कूल जाने वाले बच्चों का पैदल चलना हुआ मुश्किल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3 बार सर्वे, किंतु स्वीकृति प्राप्त नहीं

भीमारमपारा में वर्षों से पक्की सड़क की मांग अधूरी, ग्रामीणों में आक्रोश

राजकुमार कोण्डागुरला

बीजापुर 9 जुलाई। भोपालपटनम ब्लॉक मुख्यालय से महज 3 किमी दूर बसे ग्राम पंचायत रूद्रारम के आश्रित गांव बोरगुड़ा और भीमारमपारा जाने वाली मार्ग की बदहाली विकास के सारे दावों की पोल खोल रही है। वर्षों से लंबित भीमारमपारा की पक्की सड़क का मुद्दा छह माह पहले प्रमुखता से उठाया गया था, लेकिन आज भी हालात जस के तस बने हुए हैं। ताजा तस्वीरें बता रही हैं कि बारिश शुरू होते ही पूरी सड़क कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो गई है। जगह-जगह पानी भर जाने से पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सड़क नहीं बनाये जाने से ग्रामीणों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे ज्यादा परेशान हैं बच्चे

सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। छात्र-छात्राएं रोजाना कीचड़ से होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। कई जगह सड़क इतनी खराब है कि बच्चों को गड्ढों और पानी से बचते हुए घंटों पैदल चलना पड़ता है।

फिसलन से रोज गिर रहे हैं बाइक चालक

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में आवाजाही का एकमात्र सड़क गड्ढों और कीचड़ में तब्दील हुआ है, जिससे रोजाना कई बाइक चालक फिसलन से गिर जाते हैं। रास्ता कीचड़नुमा होने के कारण एम्बुलेंस का निकलना भी जोखिम भरा हो जाता है।

कई बार समाचार पत्रों में प्रकाशित, किसी ने नहीं ली सुध

डामरीकरण सड़क निर्माण हेतु अनेक बार समाचार पत्रों में प्रकाशित होने के बावजूद भी आज तक किसी ने सुध नहीं लिया। अप्रैल माह में भी इस समस्या को दैनिक तरुण छत्तीसगढ़ समाचार के माध्यम से प्रमुखता से उठाया गया था, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शासन प्रशासन से की तत्काल राहत की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि बरसात के दौरान होने वाली परेशानी को देखते हुए तत्काल सड़क निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि स्कूली बच्चों, किसानों और ग्रामीणों को राहत मिल सके।

पीएमजीएसवाय से 3 बार सर्वे लेकिन स्वीकृति नहीं

सरपंच चंदा दुर्गम ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत डामरीकरण सड़क निर्माण कार्य के लिए क्क्लस्ड्ड फेस 4 के तहत स्टेज 1, स्टेज 2 और स्टेज 3 में तीन बार सर्वे कार्य कराया गया लेकिन अभी तक स्वीकृति प्रदान नहीं हुई।

वर्षों से पक्की सड़क मांग अधूरी

ग्रामीणों ने बताया कि इस सड़क की मांग वर्षों से की जा रही है। कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को आवेदन देने के बावजूद अब तक पक्की सड़क का निर्माण शुरू नहीं हो सका है। चुनाव के दौरान कई जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया था लेकिन ढ़ाई वर्ष बीत जाने के बावजूद

सीसी सड़क स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा पत्र

इस संबंध में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने बताया कि कच्ची मार्ग की खराबी को देखते हुए सीसी सड़क निर्माण कार्य स्वीकृति हेतु ग्राम गौरव पथ योजना से मुख्य अभियंता को पत्र प्रेषित किया जाएगा। स्वीकृति उपरांत निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सीईओ जनपद पंचायत भोपालपटनम आदित्य कुंजाम ने बताया कि वर्तमान PMGSY 4 में छूटे सड़कों को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना 2.0 के प्रावधानों में लिया जा रहा है। स्थल निरीक्षण कर स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजा जाएगा।

पक्की सड़क के इंतजार में राह देखते ग्रामवासी

वर्षों से पक्की सड़क निर्माण के लिए राह देखते ग्रामवासियो ने कहा कि अब और देरी नहीं होनी चाहिए। हर बारिश में यही परेशानी झेलनी पड़ती है। बच्चों की पढ़ाई और गांव की आवाजाही दोनों प्रभावित हो रही हैं। प्रशासन जल्द समाधान करे।

समाचार संक्षेप

अब होगा पेयजल का संकट निराकरण, मिंगाचल बेरूदी नदी पर बन रहा एनीकट

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 9 जुलाई। जिले में पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। बीजापुर आवर्धन जल प्रदाय योजना के अंतर्गत मिंगाचल स्थित बेरूदी नदी पर एनीकट निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है।

इस एनीकट के निर्माण से बीजापुर शहर के लिए वर्षभर पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही नदी में जल संरक्षण बढ़ेगा, जिससे भू-जल स्तर में सुधार, जल संवर्धन तथा स्थानीय लोगों और पशुओं के लिए निस्तारी की बेहतर सुविधा सुनिश्चित होगी। यह परियोजना केवल पेयजल आपूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में सतत जल प्रबंधन को भी मजबूत करेगी। एनीकट बनने से वर्षा जल का बेहतर संचयन होगा और आसपास के क्षेत्रों में जल उपलब्धता में सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा। इस महत्वाकांक्षी योजना के पूर्ण होने के बाद बीजापुर शहर के नागरिकों को अधिक सुरक्षित, नियमित और बेहतर पेयजल सुविधा प्राप्त होगी, वहीं जल संरक्षण की दिशा में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग में 17 जुलाई को होगी कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार

बीजापुर 9 जुलाई। महिला एवं बाल विकास विभाग (मिशन वात्सल्य) अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया के तहत 17 जुलाई 2026 को कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा पूर्व में 01 परामर्शदाता, 01 सहायक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर तथा 01 आउटरीच वर्कर के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। इन पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई थी। प्राप्त आवेदनों की जांच एवं छंटनी के उपरांत दावा-आपत्ति आमंत्रित की गई। दावा-आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम वरीयता सूची का प्रकाशन किया गया है। विज्ञापन की शर्तों एवं नियमों के अनुसार प्रत्येक पद के लिए वरीयता के आधार पर 1:5 अनुपात में अभ्यर्थियों का चयन कौशल परीक्षा एवं साक्षात्कार हेतु किया गया है। यह प्रक्रिया 17 जुलाई 2026 को प्रातः 11:00 बजे से कार्यालय कलेक्टर, प्रथम तल, महिला एवं बाल विकास विभाग, बीजापुर में आयोजित होगी। सभी चयनित अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने समस्त मूल दस्तावेजों के साथ प्रातः 10:00 बजे तक परीक्षा स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। अभ्यर्थी पात्रता सूची एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.bijapur .gov.in का अवलोकन कर सकते हैं।

एसपी की समीक्षा बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

कोंड़ागांव, 9 जुलाई। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कोंड़ागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा की अध्यक्षता में जिला पुलिस कार्यालय में विशेष अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, थाना एवं चौकी प्रभारी तथा विभिन्न शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। कॉप ऑफ द मंथ सम्मान आरक्षक अजरंग बघेल, आरक्षक लिलेश ध्रुव और आरक्षक दशरू नेताम को प्रदान किया गया। वहीं एम्पलाई ऑफ द मंथ का सम्मान गिरजा शंकर देव को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए दिया गया। पुलिस अधीक्षक पंकज चन्द्रा ने सम्मानित अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुशासन, जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।बैठक में पुलिस अधीक्षक ने जिले की कानून व्यवस्था, लंबित अपराधों, शिकायतों के निराकरण, विवेचना की प्रगति तथा विभिन्न शाखाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा गंभीर एवं लंबित मामलों की विवेचना शीघ्र पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किए जाएं, ताकि अपराधियों को समय पर दंड मिल सके।

संभागीय एवं जिला मुख्यालयों में लगेगी मुखर्जी की प्रतिमा, 10.60 करोड़ रुपये स्वीकृतः राणा

जगदलपुर, 9 जुलाई। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के सभी संभागीय एवं जिला मुख्यालय वाले नगरीय निकायों में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भव्य प्रतिमाएं स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन तथा उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 10 करोड़ 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। देश के प्रथम उद्योग मंत्री, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं राष्ट्रवादी विचारक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर उनके राष्ट्र निर्माण और अखंड भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राज्य के 32 नगरीय निकायों में उनकी प्रतिमा स्थापना के लिए राशि स्वीकृत की गई है। नगर निगम जगदलपुर के राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव, बस्तर सांसद महेश कश्यप तथा जगदलपुर महापौर संजय पांडे के प्रति आभार व्यक्त किया है। संग्राम सिंह राणा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार आज भी समाज और विशेष रूप से नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र में उनकी प्रतिमा स्थापित होने से नागरिकों, विशेषकर युवाओं को उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त होगी।

एक दशक बाद कुरंदी में मिले बाघ के पंजे के निशान, वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

जगदलपुर, 9 जुलाई । बस्तर जिले के दरभा क्षेत्र के ग्राम कुरंदी में लगभग 1 दशक बाद बाघ ने दस्तक दी है। गांव के खेतों और जंगल के किनारे बड़े आकार के ताजा पगमार्क मिलने के बाद वन विभाग ने पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर दिया है। कुछ दिन पहले केकरा-चेरबेहार क्षेत्र में भी बाघ का मूवमेंट होने की जानकारी सामने आई थी। वन विभाग की ट्रैकिंग टीमें जंगल में लगातार सर्चिंग कर रही हैं, जबकि ट्रैप कैमरा और वैज्ञानिक जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि निशान बाघ के हैं या किसी अन्य बड़े वन्यजीव के। ग्रामीणों के मुताबिक खेतों से सटे जंगल में बड़े आकार के ताजा पंजों के निशान दिखाई दिए हैं।निशान इतने स्पष्ट हैं कि लोगों ने इसे बड़े बाघ की मौजूदगी का संकेत माना है। इसके बाद से ग्रामीणों ने शाम ढलने के बाद जंगल और खेतों की ओर जाना कम कर दिया है। मवेशियों को खुले में छोड़ने के बजाय सुरक्षित बाड़ों में बांधा जा रहा है। कुरंदी वही क्षेत्र है जहां करीब 10 साल पहले भी बाघ की मौजूदगी दर्ज की गई थी। उस समय एक ग्रामीण पर हमला भी किया था। अब उसी क्षेत्र में दोबारा बड़े पगमार्क मिलने से वन विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है।

एक नजर

वन भूमि से तीसरी बार अवैध कब्जा हटाकर किया गया पौधरोपण

कांकेर, 9 जुलाई । जिले के पखांजूर के ग्राम पंचायत चाणक्यपुरी स्थित पी.व्ही.-8 में वन भूमि पर लगातार हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ वन विभाग और प्रशासन ने आज बुधवार को एक बार फिर संयुक्त कार्रवाई करते हुए लगभग एक हेक्टेयर वन भूमि से तीसरी बार अवैध कब्जा हटाया गया। इस बार दोबारा अतिक्रमण रोकने के लिए मौके पर पौधरोपण शुरू कर दिया गया है और पूरे क्षेत्र की स्थायी तार जाली से घेराबंदी की जा रही है।मिली जानकारी के अनुसार खोखन तालुकदार ने वन विभाग की करीब एक हेक्टेयर भूमि पर कब्जा कर खेती शुरू कर दी थी। ग्रामीणों की शिकायत मिलने के बाद वन विभाग पहले भी दो बार अतिक्रमण हटा चुका था, लेकिन हर बार दोबारा कब्जा कर खेती शुरू कर दी गई। बताया गया कि संबंधित भूमि पर पहले वन विभाग का प्लांटेशन था। आरोप है कि प्लांटेशन को आग लगाकर नष्ट कर दिया गया, जिसके बाद वहां खेती की जाने लगी। वन विभाग ने कई बार कब्जाधारी को समझाइश भी दी गई, उस समय कब्जाधारी से लिखित आश्वासन लिया गया था कि भविष्य में दोबारा वन भूमि पर कब्जा नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद इस वर्ष फिर से भूमि पर धान की रोपाई कर दी गई। नई शिकायत मिलने पर आज राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। ट्रैक्टर की मदद से अवैध कब्जा हटाया गया और वन भूमि को मुक्त कराया गया। कार्रवाई के तुरंत बाद वन विभाग ने खाली कराई गई भूमि पर पौधरोपण शुरू कर दिया। साथ ही पूरे क्षेत्र की तार जाली से घेराबंदी की जा रही है, ताकि भविष्य में वन भूमि पर दोबारा अतिक्रमण न हो सके।

बीजापुर पुलिस ने 62 चालान काटे, 27,200 का जुर्माना वसूला और किया जागरूक भी

बीजापुर, 9 जुलाई । जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीजापुर पुलिस ने बुधवार को विशेष सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान 62 वाहन चालकों के चालान काटे गए और उनसे कुल 27,200 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव के निर्देश पर डीएसपी एवं यातायात नोडल अधिकारी विनीत साहू के नेतृत्व में चलाया गया। अभियान में यातायात प्रभारी केशव ठाकुर, सहायक उप निरीक्षक विजय मंडावी और यातायात शाखा की टीम शामिल रही।पुलिस टीम ने शहर के प्रमुख मार्गों पर वाहनों की सघन जांच की, इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ मौके पर ही चालानी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान वाहन चालकों और आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस ने लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई और हेलमेट, सीट बेल्ट समेत सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बीजापुर 9 जुलाई। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति के आधिकारिक वेबसाईट www.navodaya.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवम्बर 2026 (शनिवार) को किया जाएगा।

प्रशिक्षण

अंचल बैलाडीला के तत्वावधान में 10 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण संपन्न

दंतेवाड़ा 9 जुलाई। एकल अभियान अंचल बैलाडीला के दंतेवाड़ा के कतीयाररास मे 10 दिवसीय आचार्य प्रशिक्षण 8 जुलाई बुधवार शाम 5 बजे मां भारती के छाया चित्र मे पुष्प हार,दीप प्रज्ज्वलित करके समापन सत्र का श्री गणेश किया गया। समापन सत्र मे छत्तीसगढ़ संभाग जागरण प्रभारी ललित दानीजी , दंतेवाड़ा नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता, छत्तीसगढ़ संभाग महिला प्रभारी एंव बरिष्ठ कार्यकर्ता सुश्री सुशीला नाग दीदी, भाग उपाध्यक्ष अतुल चौधरीजी , अंचल अध्यक्ष विमल दीक्षितजी , सचिव विवेक चौहानजी , प्राथमिक शिक्षा प्रभारी अशोक रिछारयाजी,अभियान प्रमुख राजेश जी, स्स्क्क्रूमाता,मातृशक्ति ,अंचल बैलाडीला के संच प्रमुख और प्रशिक्षण मे उपस्थित रहे। आचार्य, उपस्थित रहकर समापन सत्र संपन्न हुआ।

आईटीआर में राजकीय पशु वन भैंसा एवं हिमालयी गिद्ध की मौजूदगी दर्ज

बीजापुर, 9 जुलाई । जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व में छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु वन भैंसा का एक झुंड प्राकृतिक आवास में विचरण करता देखा गया। इंद्रावती टाइगर रिजर्व वन भैंसा संरक्षण का प्रमुख केंद्र रहा है। वन भैंसों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि यहां का प्राकृतिक वातावरण उनकी प्रजाति के लिए अनुकूल बना हुआ है। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में विलुप्ति की कगार पर खड़े हिमालयी गिद्ध की भी मौजूदगी दर्ज की गई है। यह दुर्लभ पक्षी मृत पशुओं के अवशेषों को साफ कर पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी मौजूदगी को संरक्षण प्रयासों की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।वन विभाग की लगातार गश्त, निगरानी, कैमरा ट्रैप और प्राकृतिक आवास संरक्षण के प्रयासों का सकारात्मक असर अब दिखाई देने लगा है। अधिकारियों के अनुसार वन्यजीवों के सुरक्षित आवास और प्रभावी संरक्षण के कारण इंद्रावती टाइगर रिजर्व में जैव विविधता लगातार मजबूत हो रही है। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, वन भैंसा और हिमालयी गिद्ध जैसी दुर्लभ प्रजातियों की मौजूदगी बेहतर पारिस्थितिकी और सफल संरक्षण प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है।

नानगुर के 55 गांवों की 213 किलोमीटर विद्युत व्यवस्था के लिए मात्र एक संविदा कर्मी तैनात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 9 जुलाई । बस्तर जिले के नानगुर विद्युत वितरण केंद्र (डीसी) के अंतर्गत आने वाले 55 गांवों की 213 किलोमीटर विद्युत व्यवस्था महज एक संविदा कर्मी और जरूरत पड़ने पर कभी-कभार बुलाए जाने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के कंधों पर टिकी हुई है। जबकि इन गांवों में करीब 10 हजार उपभोक्ता हैं। तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आपातकालीन फॉल्ट सुधारने और रख-रखाव में भारी समस्या आ रही है। इन दिनों आंधी-तूफान के चलते अक्सर लाइन में फॉल्ट आने से कई दिनों तक बिजली गुल रहने की समस्या आम है। यह समस्या सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में ही नही है, शहरी क्षेत्रों में भी विद्युत वितरण केंद्र की इससे अलग नही है, शहरी क्षेत्र में फर्क इतना ही है कि यहां दो तीन घंटे के बाद आपातकालीन फॉल्ट सुधारने पंहुचते हैं।

विद्युत कंपनी ने नानगुर को विद्युत वितरण केन्द्र बनाया, पर अब तक कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारियों को तैनात नहीं किया गया है। क्षेत्र में बारिश के दौरान रोज लगभग 70-80 फ्यूल कॉल दर्ज हो रहे हैं, जिनका निराकरण समय पर नहीं हो पा रहा है। ट्रांसफार्मर खराब होने या तार आदि टूटने पर तो घंटों क्या एक-दो दिन से ज्यादा भी बिजली आने का इंतजार करने पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में बिजली से संबंधित तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए लाइनमेन तैनात किए जाते हैं। लेकिन इन 55 गांवों में कोई लाइनमेन भी नहीं है।विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत के अधीक्षण अभियंता केवी मैथ्यू ने बताया कि रिक्त पदों की जानकारी उच्च कार्यालय को भेजा जाता है। मुख्यालय की ओर से रिक्त पदों पर अधिकारी एवं कर्मचारियों को पदस्थ किया जाएगा।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण पर उठे गंभीर सवाल,जवाबदेही तय करे सरकारः नवनीत चाँद

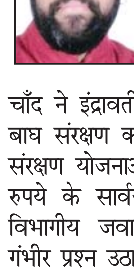

जगदलपुर। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता क ा ग ् स छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चाँद ने इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण की वर्तमान स्थिति, संरक्षण योजनाओं पर हुए करोड़ों रुपये के सार्वजनिक व्यय तथा विभागीय जवाबदेही को लेकर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा है कि अब समय आ गया है कि सरकार पूरे मामले में पारदर्शिता अपनाए और जनता के सामने तथ्य रखे।

उन्होंने कहा कि इंद्रावती टाइगर रिजर्व केवल बस्तर की नहीं, बल्कि पूरे देश की प्राकृतिक धरोहर है। ऐसे में बाघ संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संविधान, कानून और सरकार की जवाबदेही का विषय है।

अनसर काल15 जुलाई तक भगवान श्रीजगन्नाथ का दर्शन वर्जित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 9 जुलाई। रियासत कालीन बस्तर गोंचा पर्व 2026 देव स्नान चंदन जात्रा पूजा विधान 29 जून से प्रराम्भ हो चुका है, शताब्दियों से (618 वर्षों) चली आ रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चंदन जात्रा पूजा विधान के पश्चात भगवान श्रीजगन्नाथ का 15 दिवसीय अनसर काल की अवधि में अस्वस्थ होते हैं तथा भगवान के अस्वथता के हालात में दर्शन वर्जित होते हैं । भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी, माता सुभद्रा और बलभद्र स्वामी का श्रीमंदिर में इन दिनों अनसर काल 15 जुलाई तक जारी रहेगा। इस दौरान भगवान श्रीजगन्नाथ के स्वास्थ्य लाभ के लिए औषधियुक्त भोग का अर्पण 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सेवादारों एवं पंडितों के द्वारा किया जा रहा है । औषधियुक्त भोग के अर्पण के पश्चात इसे श्रृद्धलुओं में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है । विशेष औषधियुक्त प्रसाद का पूण्य लाभ श्रृद्धालु अनसर काल के दौरान श्रीजगन्नाथ मंदिर में पहुचकर प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन दर्शन वर्जित होगा।

भगवान श्रीजगन्नाथ के अनसर काल की व्याख्या करते हुए 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं भगवान श्रीजगन्नाथ के रियासत कालीन पूजा विधान के जानकार विवेक पांड़े ने बताया कि बस्तर गोंचा पर्व में इन दिनों भगवान श्रीजगन्नाथ का अनसर काल की अवधि 15 जुलाई तक जारी रहेगा । भगवान जगन्नाथ के अनसर काल मे दर्शन वर्जित होने के संबंध में जानने के लिए अनसर का साब्दिक अर्थ एवं इसके भावार्थ को समझना होगा। अनसर का साब्दिक अर्थ अन+अवसर = अनवसर होता है। अनवसर का भावार्थ उचित अवसर का नही होना कहलाता है । अर्थात भगवान श्रीजगन्नाथ के 15 दिवसीय अनसर काल मे भगवान श्रीजगन्नाथ भक्तो के स्वास्थ्य के लिए स्वयं अस्वस्थ होते है, अस्वस्थ होने पर भगवान श्रीजगन्नाथ अस्त-व्यस्त अवस्था मे रहते हैं, ऐसी अवस्था मे जगत के पालनकर्ता भगवान श्रीजगन्नाथ के दर्शन को शास्त्रो व पौराणिक मान्यताओं के अनुसार दोषपूर्ण माना गया है । इसीलिए भगवान जगन्नाथ के दर्शन 15 दिनों तक अनसर काल के दौरान वर्जित होता है।

उन्होने बताया कि भगवान श्रीजगन्नाथ अपने श्रद्धालुओं के वर्ष भर स्वास्थय के आशीष हेतु स्वयं अस्वस्थ होकर सभी के स्वास्थ्य के लिए औषधियुक्त भोग के अर्पण को स्वीकार कर औषधियुक्त प्रसाद उपलब्ध करवाते हैं । श्रीजगन्नाथ स्वामी विश्व के समस्त श्रद्धालुओं के स्वास्थय के लिए आयुर्वेद का औषधियुक्त प्रसाद ग्रहण करने का अवसर प्रदान करते हैं । भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को अर्पित औषधियुक्त भोग वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मौसम के परिवर्तन के साथ स्वास्थ्य के लिए प्रसाद के रूप में लाभदायी सिद्ध होता है, अर्थात आस्था के प्रसादरूपी औषधि की उपलब्धता हमारे प्राचीन आयुर्वेद की व्यवस्था के आधार को प्रासांगिक बना देता है । ऐसा महात्म्य है, भगवान श्रीजगन्नाथ स्वामी को औषाधियुक्त भोग का अर्पण एवं औषधियुक्त प्रसाद का जिसमे आद्यात्मिक-वैज्ञानिक आयाम इसमें समाहित है।

एक नजर

सुविधाओं के विस्तार के लिए डीएमएफ से 4 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों को प्रशासकीय मंजूरी

रायगढ़, 9 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी के विशेष प्रयासों से रायगढ़ जिले में आधारभूत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) द्वारा स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा एवं कौशल विकास से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ 13 लाख 82 हजार 400 रुपये से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों के पूर्ण होने से जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी, पेयजल उपलब्धता में सुधार आएगा तथा शिक्षा एवं तकनीकी प्रशिक्षण की अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य क्षेत्र में धरमजयगढ़ क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण स्वीकृति प्रदान की गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घरघोड़ा के निर्माण एवं उन्नयन कार्य के लिए 2 करोड़ 80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पांच अलग-अलग परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इनमें ग्राम गोरपार में 25 केएल सम्पवेल के माध्यम से पेयजल व्यवस्था विकसित करने के लिए 6 लाख 47 हजार 700 रुपये, ग्राम शहपुर में नलकूप खनन, रॉ-वॉटर पंप एवं पाइपलाइन विस्तार के लिए 9 लाख 94 हजार रुपये, ग्राम नवापारा में इसी प्रकार के कार्यों के लिए 5 लाख 32 हजार रुपये, ग्राम पुसल्दा में 8 लाख 45 हजार रुपये तथा ग्राम नंदगांव में 25 केएल सम्पवेल आधारित पेयजल व्यवस्था के लिए 6 लाख 47 हजार 700 रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने कलेक्टर ने ली पशुधन विकास विभाग की समीक्षा बैठक

महासमुंद, 9 जुलाई । जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर पशुपालकों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में पशुधन विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार, उप संचालक पशुधन विकास विभाग, जिले के सभी पशु चिकित्सक, मैदानी अमला, दुग्ध महासंघ के सुपरवाइजर तथा सभी पशु सखियां उपस्थित रहीं

बैठक में कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि महासमुंद जिले में दुग्ध उत्पादन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने सभी पशु चिकित्सकों को निर्देशित किया कि वे पशुपालकों तक नियमित रूप से पहुंचकर पशु प्रबंधन, पशु स्वास्थ्य संरक्षण, नस्ल सुधार एवं संतुलित पशु पोषण संबंधी वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाकर पशुपालन को अधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। कलेक्टर ने देशी गायों में सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इससे उन्नत नस्ल की अधिक संख्या में बछियों का जन्म होगा, जो भविष्य में अधिक दुग्ध उत्पादन देने वाली गायों के रूप में तैयार होंगी। बैठक में पशु सखियों को जिम्मेदारी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों से लगे गांवों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। पशुपालकों को समझाएं कि वे अपने मवेशियों को खुला छोड़ने के बजाय घरों या सुरक्षित स्थानों पर बांधकर रखें। सड़क पर छोड़े गए पशुओं से दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ती है। ऐसे मामलों में यदि पशु पकड़े जाते हैं तो संबंधित पशुपालकों से नियमानुसार दंडात्मक राशि वसूल की जाएगी।

भखारा में शीघ्र प्रारंभ होगा बहुप्रतीक्षित उप-पंजीयन कार्यालय

अंवरी, 9 जुलाई। भखारा क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी और बहुप्रतीक्षित सौगात जल्द ही साकार होने जा रही है। विधायक माननीय अजय चंद्राकर के सतत एवं सकारात्मक प्रयासों से भखारा तहसील परिसर में उप-पंजीयन (सब-रजिस्ट्रार) कार्यालय प्रारंभ होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस संबंध में कलेक्टर धमतरी द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं तथा तहसील परिसर स्थित पुराने तहसील भवन के कक्ष क्रमांक 01 एवं 02 को कार्यालय संचालन हेतु अस्थायी रूप से आबंटित किया गया है।नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति हरख जैन सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने इस निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अंचल के लगभग 28 पटवारी हल्का के 73 गांवों के नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी कदम है। अब भूमि एवं संपत्ति की रजिस्ट्री कराने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय, धन और श्रम–तीनों की बचत होगी तथा आम नागरिकों को शीघ्र और सुगम पंजीयन सुविधा उपलब्ध होगी। भखारा नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति जैन ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए विधायक अजय चंद्राकर का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। यह सुविधा भखारा अंचल के विकास और प्रशासनिक सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सुखदेव के परिवार को मिला सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन

मोहला 9 जुलाई । हर परिवार का सपना होता है कि उसके सिर पर एक सुरक्षित और मजबूत छत हो, जहाँ वह निश्चिंत होकर अपने भविष्य के सपने संजो सके। मानपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत मरकेली निवासी श्री सुखदेव निषाद के परिवार का यह सपना वर्षों तक अधूरा रहा। सीमित आय और आर्थिक तंगी के कारण वे जर्जर कच्चे खपरैल मकान में रहने को मजबूर थे। हर वर्ष बरसात का मौसम उनके लिए नई परेशानियाँ लेकर आता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन में ऐसा बदलाव लाया कि अब उनका परिवार सुरक्षित, सम्मानपूर्वक और आत्मविश्वास के साथ जीवन व्यतीत कर रहा है। सुखदेव निषाद कृषि कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी पत्नी श्रीमती जानकी निषाद बताती हैं कि परिवार का कच्चा मकान मुख्य सड़क के किनारे होने के कारण बारिश के दिनों में सड़क का पानी सीधे घर में भर जाता था। पूरी रात परिवार के सदस्यों को जागकर पानी बाहर निकालना पड़ता था।

82.19 करोड़ रुपए की अग्रिम कृषि सहायता और 31.28 करोड़ रुपए के खाद-बीज से खरीफ खेती को मिली नई रफ्तार

साय सरकार से रायगढ़ के 33 हजार किसानों को मिली 113.47 करोड़ रुपए की अग्रिम सहायता

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 9 जुलाई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों को खेती-किसानी के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करते हुए खेती को अधिक लाभकारी और सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। खरीफ सीजन की शुरुआत में किसानों को आर्थिक संसाधनों की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के 33,017 किसानों को 79 प्राथमिक कृषि साख समितियों के माध्यम से 82.19 करोड़ रुपए की अग्रिम कृषि सहायता उपलब्ध कराई गई है। वहीं किसानों को 31.28 करोड़ रुपए मूल्य के खाद एवं बीज उपलब्ध कराए गए हैं। इस प्रकार जिले के किसानों तक अब तक 113.47 करोड़ रुपए की अग्रिम सहायता पहुंचाई जा चुकी है। समय पर मिली इस सहायता से किसानों को खेती की तैयारियों में बड़ी राहत मिली है और खरीफ फसलों की बुवाई को नई गति मिली है।

जिले के सभी विकासखंडों के किसानों तक पहुंचा लाभ

जिले के सभी विकासखंडों में किसानों को समान रूप से लाभान्वित किया गया है। रायगढ़ विकासखंड की 14 समितियों के माध्यम से 6,113 किसानों, पुसौर की 15 समितियों से 6,487 किसानों, खरसिया की 12 समितियों से 8,575 किसानों, धरमजयगढ़ की 15 समितियों से 4,898 किसानों, घरघोड़ा की 5 समितियों से 1,432 किसानों, तमनार की 10 समितियों से 3,228 किसानों तथा लैलूंगा की 8 समितियों से 2,284 किसानों को अग्रिम कृषि सहायता उपलब्ध कराई गई है। इससे किसानों को समय पर कृषि कार्य प्रारंभ करने के लिए आवश्यक संसाधन प्राप्त हुए हैं।पर्याप्त खाद भंडारण से किसानों को मिल रही निर्बाध सुविधा' खरीफ सीजन में किसानों को उर्वरकों की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए जिले की सभी सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक उर्वरकों का भंडारण किया गया है। विभागीय जानकारी के अनुसार जिले में लक्ष्य के विरुद्ध 22,668 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का भंडारण किया गया है। इनमें से अब तक 18,641 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 82 प्रतिशत है। किसानों को अब तक 10,718 मीट्रिक टन यूरिया, 2,342 मीट्रिक टन डीएपी, 2,430 मीट्रिक टन एनपीके, 795 मीट्रिक टन पोटाश तथा 2,356 मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध कराया जा चुका है। सभी सहकारी समितियों में किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरकों की सतत उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिससे कृषि कार्य बिना किसी बाधा के संचालित हो रहे हैं।

अच्छी बारिश और समय पर उपलब्ध संसाधनों से बढ़ा किसानों का उत्साह

पिछले सप्ताह जिले में हुई अच्छी वर्षा से खरीफ सीजन की गतिविधियों ने रफ्तार पकड़ ली है। समय पर उपलब्ध कराई गई अग्रिम कृषि सहायता, खाद एवं बीज से किसानों को खेती की तैयारियों में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। जिलेभर में धान सहित खरीफ फसलों की बुवाई तेजी से जारी है और किसान पूरे उत्साह के साथ खेतों में जुटे हुए हैं। शासन की किसान हितैषी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा कृषि आदानों की समय पर उपलब्धता से खेती का कार्य सुचारु रूप से आगे बढ़ रहा है। समय पर उपलब्ध संसाधनों और अनुकूल मौसम के कारण किसानों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

हरी खाद से खेत होंगे उपजाऊ, बढ़ेगी पैदावार और घटेगी खेती की लागत

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 9 जुलाई। कृषि की बढ़ती लागत और मृदा की घटती उर्वरता के बीच हरी खाद किसानों के लिए एक प्रभावी, प्राकृतिक और किफायती विकल्प बनकर उभर रही है। कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, रायगढ़ के प्राध्यापकों एवं वैज्ञानिकों ने किसानों से हरी खाद एवं हरी पत्तियों की खाद का अधिकाधिक उपयोग करने की अपील करते हुए बताया कि इससे मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़ती है, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटती है तथा फसलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि हरी खाद के लिए ढैंचा, सनई, मूंग, उड़द, लोबिया एवं ग्वार जैसी दलहनी फसलें बोई जाती हैं। इन फसलों को बुवाई के लगभग 35 से 45 दिन बाद, फूल आने से पहले रोटावेटर अथवा कल्टीवेटर की सहायता से खेत में ही मिट्टी में मिला दिया जाता है। कुछ दिनों में यह सड़कर जैविक

खाद का रूप ले लेती हैं, जिससे मिट्टी में नाइट्रोजन, कार्बनिक पदार्थ तथा अन्य आवश्यक पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ जाती है।इसी प्रकार हरी पत्तियों की खाद के लिए नीम, करंज, ग्लिरिसिडिया एवं सहजन जैसे वृक्षों की कोमल पत्तियों और टहनियों को खेत में मिलाया जाता है। इससे मिट्टी की जैविक गुणवत्ता में सुधार होने के साथ लाभकारी सूक्ष्मजीवों की सक्रियता भी बढ़ती है। वैज्ञानिकों के अनुसार हरी खाद से प्रति हेक्टेयर लगभग 50 से 60 किलोग्राम नाइट्रोजन की पूर्ति होती है। इससे मिट्टी की संरचना मजबूत होती है, जल धारण क्षमता बढ़ती है, भूमि का कटाव कम होता है तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम होने से खेती की लागत घटती है। साथ ही फसलों की उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि तथा गुणवत्ता में भी सुधार देखा गया है। धान में विटामिन एवं प्रोटीन की मात्रा बढ़ने जैसे सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं।

वैज्ञानिकों ने बताया कि ढैंचा क्षारीय एवं लवणीय भूमि के लिए अत्यंत उपयुक्त हरी खाद फसल है, जबकि सनई शीघ्र गलने वाली कोमल फसल है। मूंग, उड़द, लोबिया तथा ग्वार जैसी दलहनी फसलें भी मृदा में नाइट्रोजन बढ़ाने के लिए उपयोगी हैं। इन फसलों की फलियां तोड़ने के बाद शेष हरे पौधों को भी खाद के रूप में मिट्टी में दबाया जा सकता है।उन्होंने किसानों को बीज की अनुशंसित मात्रा का पालन करने की सलाह दी। इसके अनुसार ढैंचा के लिए 20 से 25 किलोग्राम, मूंग 12 से 15 किलोग्राम, सनई 25 से 30 किलोग्राम, लोबिया 30 से 35 किलोग्राम तथा ग्वार 15 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज पर्याप्त होता है।वैज्ञानिकों ने बताया कि हरी खाद वाली फसलों में सामान्यतः अतिरिक्त खाद की आवश्यकता नहीं होती, हालांकि शुरुआती वृद्धि के लिए आवश्यकता अनुसार पोषक तत्व दिए जा सकते हैं। बुवाई प्रसारण (ब्रॉडकास्टिंग) अथवा कतार विधि से की जा सकती है। आवश्यक सिंचाई के बाद 45 दिन की कोमल अवस्था में फसल को रोटावेटर से मिट्टी में मिलाकर 7 से 10 दिन तक सड़ने दिया जाए।

विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए करें समयबद्ध कार्य : कलेक्टर

मोहला 9 जुलाई । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्री योगदास साहू, तीनों विकास खंड के शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहें। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने अपार आईडी एंट्री की प्रगति की समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए।

समय पर नोटिस का जवाब नहीं देने पर चौतन्य टेक्नो स्कूल की मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा की गई

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 9 जुलाई। जिले में निजी विद्यालयों के संचालन में पारदर्शिता और शासन के निर्देशों के कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी), विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) एवं बीआरसी को निजी विद्यालयों की विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी खरसिया द्वारा ग्राम बाम्हनपाली स्थित श्री चौतन्य टेक्नो स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर जांच प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत किया गया। इधर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जांच प्रतिवेदन के आधार जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित शैक्षणिक संस्थान को शोकाज नोटिश जारी किया गया है, लेकिन निर्धारित समय पर जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। जिसके आधार पर विद्यालय के विरुद्ध बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए उसकी मान्यता समाप्त करने की अनुशंसा की कार्यवाही के लिए आगे प्रेषित की गई है।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्वयं के प्रकाशन की पाठ्यपुस्तकों और कॉपियों का सीधे विद्यार्थियों एवं पालकों को विक्रय किया जा रहा था। पुस्तकों और कॉपियों पर विद्यालय का नाम मुद्रित पाया गया। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में ही विद्यार्थियों को गणवेश भी बेचा जा रहा था, जबकि शिक्षा के अधिकार अधिनियम एवं शासन के निर्देशों के अनुसार इस प्रकार की व्यवस्था स्वीकार्य नहीं है।जांच में यह भी सामने आया कि विद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लगभग 230 विद्यार्थियों में से किसी भी छात्र-छात्रा को छात्रवृत्ति योजना का लाभ उपलब्ध नहीं कराया गया। विद्यालय द्वारा एक भी पात्र विद्यार्थी की छात्रवृत्ति स्वीकृत नहीं कराई गई, जिससे शासन की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना का क्रियान्वयन पूरी तरह प्रभावित पाया गया।

निरीक्षण के दौरान यू-डाईस प्लस पोर्टल में दर्ज विद्यार्थियों के आंकड़ों में भी गंभीर विसंगतियां सामने आईं। विद्यालय में कक्षा 9वीं और 10वीं में वास्तविक रूप से मात्र 10-10 विद्यार्थी अध्ययनरत पाए गए, जबकि पोर्टल पर कक्षा 9वीं में 66 तथा कक्षा 10वीं में 33 विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टि दर्ज थी। जांच में यह तथ्य सामने आया कि अन्य विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के नाम फर्जी तरीके से दर्ज कर उनके पेन (परमानेंट एजुकेशन नंबर) एवं अपार आईडी तैयार किए गए। इस संबंध में पूर्व में जारी स्पष्टीकरण नोटिस का भी विद्यालय द्वारा निर्धारित अवधि में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।जिला प्रशासन को यह शिकायत भी प्राप्त हुई कि पालकों द्वारा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) मांगे जाने पर विद्यालय प्रबंधन अनावश्यक रूप से टालमटोल करता है और समय पर टीसी जारी नहीं करता।

जिले के चार अनुविभागों में नए एसडीएम की पदस्थापना

रायगढ़, 9 जुलाई । जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं जनोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर रायगढ़ ने जिले के चार अनुविभागों में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की नवीन पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार प्रवीण कुमार भगत को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) खरसिया, श्री भरत कौशिक को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धरमजयगढ़ तथा श्री राकेश कुमार वर्मा को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लैलूंगा पदस्थ किया गया है। वहीं वर्तमान में खरसिया के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री प्रवीण तिवारी का स्थानांतरण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), घरघोड़ा के पद पर किया गया है। नई पदस्थापनाओं से जिले के चारों अनुविभागों में प्रशासनिक कार्यों के संचालन को और अधिक गति मिलेगी। साथ ही राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, न्यायालयीन एवं कार्यालयीन कार्यों के प्रभावी संचालन तथा आमजन को त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने में भी सहायता मिलेगी।

मेडिकल कॉलेज ने सर्पदंश के गंभीर मामलों में बचाई 5 बच्चों की जान

रायगढ़, 9 जुलाई। लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति चिकित्सालय रायगढ़ ने विषैले सर्पदंश से जूझ रहे पाँच गंभीर बच्चों का सफल उपचार कर उन्हें नया जीवन दिया है। अत्यंत नाजुक स्थिति में अस्पताल पहुंचे इन बच्चों में से तीन को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखना पड़ा, जबकि गंभीर मामलों में 50 वायल तक एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) का उपयोग किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख, आधुनिक पीआईसीयू सुविधाओं और सतत उपचार के परिणामस्वरूप सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होकर चिकित्सालय से डिस्चार्ज किए गए।

बाल्य एवं शिशु रोग विभाग तथा पीआईसीयू में भर्ती पाँचों बच्चों में चार न्यूरोटॉक्सिक तथा एक हेमोटॉक्सिक सर्पदंश का मामला था। इनमें तीन करैत, एक कोबरा और एक वाइपर के दंश से पीड़ित थे। सभी को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जहाँ तत्काल आपातकालीन उपचार शुरू किया गया। सबसे संवेदनशील मामला धरमजयगढ़ के दो सगे भाइयों 7 वर्षीय वीर कुमार और 12 वर्षीय लोकेश राठिया का था। एक जुलाई की रात सोते समय दोनों को करैत ने गर्दन पर काट लिया। सुबह तक दोनों में गंभीर न्यूरोपैरालिटिक विषाक्तता विकसित हो चुकी थी और उनकी स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो गई थी।

जिले में चल रहे सघन कुष्ठ खोज अभियान का केंद्रीय टीम ने किया मूल्यांकन

रायगढ़, 9 जुलाई । कलेक्टर के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 15 जून से 15 जुलाई 2026 तक 30 दिवसीय सघन कुष्ठ खोज अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य घर-घर पहुंचकर कुष्ठ रोग के संदिग्ध मरीजों की पहचान करना, समय पर उनकी जांच सुनिश्चित करना तथा उपचार उपलब्ध कराकर रोग के प्रसार को रोकना है।अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम, मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घर-घर सर्वे कर लोगों की जांच कर रहे हैं। अभियान के माध्यम से कुष्ठ रोग की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर उपचार शुरू करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पुलिया के पास का हिस्सा धंसा, विभागीय निगरानी पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल जांच की मांग

पहली ही बारिश में दरकी जरगांव-मडेली निर्माणाधीन पीएमजीएसवाय सड़क

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम, 9 जुलाई। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाय) के तहत निर्माणाधीन जरगांव-मडेली मार्ग पहली ही बारिश में गुणवत्ता की कसौटी पर खरा नहीं उतर सका। निर्माण कार्य अभी पूरा भी नहीं हुआ है कि पुलिया के समीप सड़क में दरारें पड़ गईं और सड़क का एक हिस्सा धंस गया। वहीं पुलिया के दोनों ओर डाली गई मिट्टी भी बारिश के पानी के तेज बहाव में कटकर बह गई।

पहली ही बारिश में सामने आई इस स्थिति ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और विभागीय निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप किया गया होता, तो सड़क की यह स्थिति नहीं बनती। ग्रामीणों का कहना है कि अभी मानसून की शुरुआत हुई है और पूरा बारिश का मौसम बाकी है। ऐसे में समय रहते सुधार नहीं किया गया तो सड़क को और अधिक नुकसान पहुंच सकता है। उनका आरोप है कि करोड़ों रुपये की लागत से बन रही सड़क में गुणवत्ता के साथ समझौता किया गया है, जिसका नतीजा पहली ही बारिश में सामने आ गया।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने, क्षतिग्रस्त हिस्से का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।अब सवाल यह है कि जब निर्माणाधीन सड़क पहली ही बारिश नहीं झेल सकी, तो पूरा मानसून बीतने के बाद इसकी स्थिति कैसी होगी।

पंचायत सचिव संघ का स्थापना दिवस मुसराकला में मनाया गया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़, 9 जुलाई। पंचायत सचिव संघ डोंगरगढ़ द्वारा स्थापना दिवस ग्राम पंचायत मुसराकला के बूढ़ादेव पेन ठाना परिसर मूसराखुर्द में आयोजन किया गया । कार्यक्रम की मुख्यातिथि श्रीमती लता अजय सिन्हा ,अध्यक्ष जनपद पंचायत डोगरगढ़, अध्यक्षता राजाराम उईके, विशेष अतिथी सुरेश वर्मा सभापति,श्रीमती भगवती साहू मुख्य कार्यपालन अधिकरी, सी के कुजुर वरीष्ठ करारोपन अधिकारी, विशिष्ट अतिथी सरपंच श्रीमती गायत्री शिवकुमार टेम्बुरकर , कमलेश्वर वर्मा अध्यक्ष सरपंच संघ डोंगरगढ़ , सीमा ओमप्रकाश साहू जनपद सदस्य,एवं सरपंचगण की गरीमामय उपस्थिती में मनाया गया । पंचायत सचिव स्थापना दिवस का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों के द्वारा मां भारती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर पुजा अर्चना दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया,पूजा अर्चना पश्चात संघ के अध्यक्ष राजा राम उइके के द्वारा मुख्य अतिथी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया तथा सभी मंचस्थ अतिथियों का स्वागत संघ के सदस्यों द्वारा किया गया। स्वागत समारोह के पश्चात पंचायत सचिव स्थापना दिवस का आयोजन क्यों मनाते हैं। इसके बारे में विस्तार से जानकारी ब्लाक ईकाई सचिव संघ के संचालक मोरध्वज साहू के द्वारा बताया गया कि 1995 से पंचायत कर्मी के रूप में ग्राम पंचायत सचिव 500 /रू के अल्प वेतन से कार्य करते हुवे विभिन्न संघर्षों का सामना करते हुये ऐतिहासिक दिन 7/7/2007 को तत्कालीन मुख्य मंत्री माननीय डां रमन सिंह द्वारा जांजगीर चांपा के मैदान में बरसते हुए पानी में हड़ताली सचिव साथियों के बीच आकर वेतन मान एवं सचिव भर्ती जिला पंचायत के माध्यम करने का सौगात दिया तथा वर्ष 2018 के बजट में पंचायत सचिवों के लिये 15वर्ष से अधिक सेवा वालों के लिये 5200-20200+2400 सम्मानित वेतन मान लागू किया गया । केदान सिन्हा एवं अध्यक्ष राजा राम उइके द्वारा सचिव स्थापना दिवस पर अपना उद्बोधन दिया गया सचिव दिवस के इस अवसर पर स्वागत गीत सरीता श्रीवास द्वारा प्रस्तुत गया , जनपद पंचायत की मुख्यकार्यपालन अधिकारी श्रीमती भगवती साहू द्वारा अपने उद्बोधन में बताया कि पंचायत सचिव प्रशासन की रीढ़ की हड्डी है। जो अपने मेहनत से शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक लागू करते हैं,सभापति सुरेश वर्मा के द्वारा पंचायत सचिवों के कार्य एवं पंचायत में आने वाले समस्याओं को कैसे सुगमता से निपटाना है ये सचिव से बेहतर कोई नहीं जानता है बताया गया , कार्यक्रम की मुख्य अतिथी श्रीमती लता अजय सिन्हा के द्वारा पंचायत सचिव को सभी के साथ मिलकर कार्य करने और शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर सार्थक करने प्रेरित कर सचिव दिवस की बधाई एवं शुभकामनाये दिया गया तथा आने वाले वर्ष में पंचायत सचिव स्थापना दिवस जनपद पंचायत के तत्वाधान में सचिवों के सहयोग से भव्य रूप से मनाने का घोषणा किया गया और सचिव संघ की मांग को शासन तक पहुंचाने हेतु हर संभव मदद हेतु आश्वस्त किया गया , सचिव परिवार के होनहार बच्चों, नौकरी पाने वाले बच्चों, तथा एम बी बी एस के क्षेत्र में परचम लहराने वाले बच्चों एवं उनके पालक सचिव साथियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया , सेवा निवृत्त सचिवों व साथ ही साथ साल ,छ माह में सेवा निवृत्त होने वाले सचिव साथियों का सम्मान किया गया , पंचायत सचिव स्थापना दिवस कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन दीलीप वर्मा द्वारा किया गया इस अवसर पर मनोज नेताम पूर्व सदस्य जनपद पंचायत डोंगरगढ़ , पूर्व सरपंच मुसरा कमल कुमार , रोहित चंद्रवंशी, योगेश वर्मा,कोमल वर्मा, मोहित कुमार साहू, विरेन्द्र साहू, थानू राम बसोने, चेतन सेन , रामकुमार वर्मा,एन प्रसाद शर्मा,जयंती सिन्हा,वंदना मेश्राम, दशोदा सिन्हा, अंजू ठाकुर, उमेन्द्र वर्मा, केदान सिन्हा, अशोक वैष्णव, हिरेंद्र निषाद, योगेश चंद्रवशी,बालक दास,थानू राम बसोने, गेंदलाल खोबरागड़े, किशन नंदेश्वर,अमीत वर्मा,नारद सोनवानी, एवं समस्त सचिव गण उपस्थित थे।

रोजगार मेला में 13 युवाओं को ऑन द स्पॉट मिला ऑफर लेटर, 43 का हुआ प्राथमिक चयन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 9 जुलाई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में 8 जुलाई को जिला रोजगार कार्यालय बलौदाबाजार द्वारा रोजगार कार्यालय परिसर बलौदाबाजार में रोजगार मेला का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले में 43 आवेदकों का प्राथमिक चयन एवं 13 आवेदकों को ऑफर लेटर प्रदान किया गया।

निजी क्षेत्र में नियोजन हेतु 5 नियोजकों से प्राप्त 234 पदों की भर्ती हेतु रोजगार मेला का आयोजन किया गया जिसमें 476 आवेदकों द्वारा ऑनलाईन आवेदन किया गया, जिसमें से 147 आवेदक साक्षात्कार में भाग लिया गया। रोजगार मेला में नियोजक भारतीय जीवन बीमा बलौदाबाजार द्वारा अभिकर्ता के 50 पद, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के 1 पद, मैनेजर के 1 पद हेतु 49 आवेदकों द्वारा साक्षात्कार में भाग लिया, जिसमें से 9 आवेदकों का प्राथमिक चयन किया गया। इसी प्रकार ऋषभ वेंचर्स बलौदाबाजार द्वारा सेल्स के 11 पद, इलेक्ट्रिशियन के 1 पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 1 पद, के लिए 25 आवेदकों द्वारा साक्षात्कार में भाग लिया जिसमें से 13 आवेदकों का प्राथमिक चयन एवं 9 आवेदकों को मेला स्थल पर ही ऑफर लेटर प्रदान किया गया। किरण एग्रीकल्चर बलौदाबाजार द्वारा सेल्स के 11 पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर के 2 पद, एकाउंटेंट का 1 पद, हेतु 24 आवेदकों द्वारा साक्षात्कार में भाग लिया गया जिसमें से 6 आवेदको का प्राथमिक चयन किया गया। यूनिक्स सॉल्यूशन प्रा. लि. रायपुर द्वारा डाटा एन्ट्री ऑपरेटर के 35 पद, हेतु 43 आवेदकों का साक्षात्कार लिया गया जिसमें से 9 आवदकों का प्राथमिक चयन एवं 4 आवेदकों को मेला स्थल पर ऑफर लेटर प्रदान किया गया। आश्रव फाउंडेशन एंड सिक्योरिटी रायपुर द्वारा बेबीसीटर, सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाईजर, हाउस कीपिंग के विभिन्न पदों हेतु 6 आवेदक साक्षात्कार में भाग लिया गया जिसमें से 6 आवेदको का प्राथमिक चयन किया गया। समस्त नियोजकों द्वारा प्राथमिक एवं चयनित आवेदकों को एक सप्ताह के अंदर संबंधित संस्था में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया है ताकि चयन संबंधित अंतिम कार्यवाही पूर्ण किया जा सकें।

रोजगार मेला मे डिप्टी कलेक्टर रजनी छड़ीमली द्वारा उपस्थित नियोजकों एवं उपस्थित आवेदको से रोजगार संबंधित विस्तृत चर्चा किया गया। इस अवसर रोजगार विभाग एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

समाचार संक्षेप

शराब दुकानों से कोचियों तक पहुंच रही शराब, कार्रवाई पर उठे सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा-नेवरा, 9 जुलाई। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध रूप से शराब बिक्री का कारोबार लगातार जारी रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि शहर और गांवों के कई वार्डों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है, लेकिन प्रभावी रोकथाम नहीं हो पा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब कभी शिकायत या हल्ला होता है, तब आबकारी विभाग कुछ मात्रा में शराब जब्त कर कार्रवाई का प्रचार करता है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि यदि हर वार्ड और गांव में शराब बिक रही है, तो यह शराब आखिर कहां से पहुंच रही है?

लोगों का आरोप है कि शराब दुकानों से ही कोचियों तक शराब पहुंचाई जाती है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। साथ ही यह भी मांग उठ रही है कि शराब दुकानों के संचालन, बिक्री व्यवस्था तथा संबंधित कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाए।

नगरवासियों का कहना है कि कई शराब दुकानों के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे आम नागरिकों, महिलाओं और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

क्षेत्र के नागरिकों ने आबकारी विभाग एवं जिला प्रशासन से मांग की है कि अवैध शराब बिक्री पर केवल औपचारिक कार्रवाई के बजाय इसके स्रोत का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गांवों और शहर के वार्डों में चल रहे अवैध शराब कारोबार पर प्रभावी रोक लग सके।

एक नजर

रायपुर विकास प्राधिकरण में जेपी शर्मा बने उपाध्यक्ष, चिकित्सकों में हर्ष

रायपुर, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)।

रायपुर विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के उपाध्यक्ष डॉ जेपी शर्मा को बनाए जाने पर छत्तीसगढ़ के चिकित्सा जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है /और डॉक्टर मनोज ठाकुर के साथ-साथ सभी चिकित्सकों ने उन्हें लगातार बधाई संदेश दे रहे हैं, जिसमें डा सुनील गोलानी, डॉ रामेश्वर सिंह ठाकुर, डॉ कोमल राम साहू, डॉ एस के साहू, डॉ श्यामल किशोर नाग, डॉ डी पी साहू, डॉ पुनीत राम साहू, ओ पी वर्मा, सेन समाज के राजू श्रीवास, दिलीप सेन, रमेश श्रीवास, प्रिंस श्रीवास, जीवित सेन, राधेश्याम श्रीवास, नारायण सेन, हिरेंद, श्यामा सेन, श्रीमती लता श्रीवास, शांता श्रीवास, सरोज ईश्वर प्रसाद सेन, रानू संतोष ठाकुर सभी ने लगातार उन्हें बधाई संदेश दिए।

सरदार पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन 31 जुलाई तक

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और अखण्डता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मनित करने के लिए सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किया जाता हैं।वर्ष 2026 के लिए 31 जुलाई 2026 तक आंनलाइन नामांकन कर सकते है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने जिले के पात्र व्यक्तियों, संस्थाओं और नागरिकों से निर्धारित समयावधि में आनलाइन नामांकन हेतु अपील किया है।नामांकन ऑनलाईन माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल https://awards.gov.in पर ही स्वीकार किए जाएंगे। यह पुरस्कार उन लोगों को मान्यता देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है जिन्होनें समाज में एकता और समरसता को बढ़ावा दिया है।

कार से शराब की तस्करी करते युवक गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के कुशल निर्देशन में जिले में अवैध रूप से शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल बलौदाबाजार की संयुक्त पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए लग्जरी कार से भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब का परिवहन कर रहे एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की नाकाबंदी- 7 जुलाई को थाना सिटी कोतवाली एवं सायबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम को दोपहर करीब 13:00 बजे जरिए मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि एक सफेद रंग की अर्टिका कार में भारी मात्रा में अवैध शराब रखकर परिवहन करते हुए ग्राम खैंदा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना तस्दीक व कार्रवाई हेतु पुलिस स्टाफतत्काल रवाना हुआ और कृषि उपज मंडी खोरसीनाला के सामने खैंदा (ड) मेन रोड पर रणनीतिक रूप से नाकाबंदी की गई। कार की तलाशी में बरामद हुई 130 पाव अवैध शराब- नाकाबंदी के दौरान मुखबिर के बताए अनुसार उक्त सफेद रंग की अर्टिका कार को रोककर चालक से पूछताछ की गई। चालक ने अपना नाम धनकुमार टंडन बताया।

लगातार वर्षा के बाद धान की बुआई एवं रोपाई में आई तेजी

कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग ने किसानों के लिए जारी की वैज्ञानिक कृषि सलाह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 9 जुलाई। जिले में 1 जुलाई से 6 जुलाई के दौरान हुई लगातार एवं व्यापक वर्षा के फलस्वरूप धान की खेती के लिए पर्याप्त नमी एवं जल उपलब्ध हो गया है। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र, भाटापारा एवं कृषि विभाग द्वारा किसानों के लिए धान की बुआई, रोपाई, बीजोपचार, उर्वरक प्रबंधन एवं खरपतवार नियंत्रण संबंधी विस्तृत वैज्ञानिक सलाह जारी की गई है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि इस वर्ष मानसून का आगमन सामान्य से कुछ विलंब से हुआ, किन्तु वर्तमान में जिले के अधिकांश क्षेत्रों में पर्याप्त वर्षा होने से धान की खेती के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बन चुकी हैं। जिन किसानों की धान नर्सरी तैयार है, वे खेतों में मचाई कर शीघ्र रोपाई प्रारंभ करें। जिन किसानों के पास नर्सरी उपलब्ध नहीं है, वे लेही विधि से अंकुरित बीजों की ड्रम सीडर अथवा छिटकवा विधि से बुआई कर सकते हैं।

किसानों को सलाह दी गई है कि सीधी बुआई करने वाले किसान 15 जुलाई तक तथा रोपाई एवं बियासी पद्धति अपनाने वाले किसान 30 जुलाई तक अपना कार्य पूर्ण कर लें। यदि किसी विशेष परिस्थिति में बुआई या रोपाई हरेली पर्व तक भी करनी पड़े तो उत्पादन पर अपेक्षाकृत कम प्रभाव पड़ेगा।

मानसून के विलंबित आगमन को देखते हुए किसानों को 120 से 130 दिन में पकने वाली शीघ्र एवं मध्यम अवधि की धान किस्मों जैसे इन्द्रावती, बस्तर धान-1, छत्तीसगढ़ बारानी धान, इंदिरा एरोबिक धान, एम.टी.यू.-1010, एम.टी.यू.-1153, एम.टी.यू.-1156, एम.टी.यू.-1001, विक्रम टी.सी.आर., छत्तीसगढ़ धान-1919, छत्तीसगढ़ तेजस्वी तथा महामाया का चयन करने की सलाह दी गई है।

वैज्ञानिकों ने किसानों से बीज बोने से पूर्व कार्बेन्डाजिम अथवा अन्य अनुशंसित कवकनाशी से बीजोपचार करने तथा एजोस्पाइरिलम, पी.एस.बी. एवं के.एस.बी. जैव उर्वरकों का उपयोग करने का आग्रह किया है, जिससे पौधों की प्रारंभिक वृद्धि एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार होता है।जिन क्षेत्रों में लगातार वर्षा के कारण खेतों में जलभराव की स्थिति है, वहाँ लेही पद्धति को अपनाना अधिक लाभकारी रहेगा। इस विधि में 8ङ्क10 घंटे भिगोकर 24ङ्क30 घंटे तक अंकुरित किए गए बीजों की मचाई किए हुए खेत में ड्रम सीडर अथवा छिटकवा विधि से बुआई की जाती है।

कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि धान की सीधी बुआई में प्रारंभिक 40 दिन अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इस अवधि में खरपतवार नियंत्रण नहीं किया गया तो उत्पादन में 50 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। अतः किसानों को 20 एवं 40 दिन बाद हाथ से अथवा पैडी वीडर द्वारा निंदाई करने तथा आवश्यकता पड़ने पर कृषि वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार अनुशंसित खरपतवारनाशकों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। उर्वरक प्रबंधन के संबंध में किसानों को बताया गया कि प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों में यूरिया, डीएपी, एनपीके, सिंगल सुपर फॉस्फेट एवं पोटाश पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। डीएपी की पूरी मात्रा बुआई अथवा रोपाई के समय तथा यूरिया की अनुशंसित मात्रा दो बराबर भागों में 30ङ्क35 दिन एवं 60ङ्क70 दिन बाद देने की सलाह दी गई है। साथ ही हरी खाद एवं नीलहरित काई के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम करने तथा मिट्टी की उर्वराशक्ति बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र, भाटापारा के वैज्ञानिकों ने किसानों से अपील की है कि वे मौसम की वर्तमान अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए समय पर बुआई एवं रोपाई, बीजोपचार, संतुलित उर्वरक प्रबंधन तथा प्रभावी खरपतवार नियंत्रण अपनाकर धान की अधिक उत्पादन एवं बेहतर आय सुनिश्चित करें।किसी भी तकनीकी जानकारी अथवा समस्या के समाधान के लिए किसान अपने निकटस्थ कृषि विभाग, कृषि अनुसंधान केन्द्र अथवा कृषि विज्ञान केन्द्र, भाटापारा से संपर्क कर सकते हैं।

सेवा सेतु केंद्र बना भरोसे का केंद्र

■ पूर्णिमा ध्रुव को सप्ताहभर में मिला जाति, निवासी और आय प्रमाण पत्र

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 9 जुलाई। राज्य शासन की जनहितकारी पहल सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों को सरल, सुलभ और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इसका लाभ अब ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तक भी सहजता से पहुंच रहा है। इसी का एक प्रेरणादायक उदाहरण ग्राम करमदा निवासी पूर्णिमा ध्रुव हैं, जिन्हे अपने पुत्र आयुष ध्रुव के विद्यालय में जमा किए जाने वाले जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र एक सप्ताह के भीतर मिल गया।

पूर्णिमा ध्रुव ध्रुव अपने पुत्र आयुष ध्रुव के विद्यालय में जमा किए जाने वाले जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए गांव के चॉइस सेंटर पहुंची थीं। इसी दौरान गांव के एक युवा ने उन्हें बताया कि सेवा सेतु केंद्र में यह कार्य कम समय और बेहद कम सेवा शुल्क में हो जाता है। इस जानकारी के बाद पूर्णिमा ध्रुव ने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन किया।आवेदन करने के मात्र एक सप्ताह के भीतर पूर्णिमा ध्रुव को उनके सभी आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिए गए। समय पर दस्तावेज मिलने से उनके पुत्र आयुष ध्रुव, जो कक्षा छठवीं में अध्ययनरत हैं, के स्कूल में आवश्यक दस्तावेज जमा करने की चिंता भी दूर हो गई।

पूर्णिमा ध्रुव ने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि गांव से बलौदाबाजार स्थित सेवा सेतु केंद्र आते समय उन्हें लग रहा था कि प्रमाण पत्र बनवाने में काफी समय और अधिक खर्च आएगा, लेकिन यहां पहुंचने पर उनकी सारी आशंकाएं दूर हो गईं। उन्होंने कहा कि बहुत ही कम सेवा शुल्क में, बिना किसी परेशानी के और बेहद कम समय में उनके सभी दस्तावेज तैयार होकर मिल गए। उन्होंने सेवा सेतु केंद्र की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र आम लोगों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है। उन्होंने इस जनहितकारी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी पहल से ग्रामीण परिवारों को समय, धन और अनावश्यक भागदौड़—तीनों से राहत मिल रही है।

बलौदाबाजार में डूबने से विद्युत विभाग के कर्मचारी की मृत्यु

बलौदाबाजार, 9 जुलाई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ग्राम खैंदा से ग्राम अचानकपुर के बीच रपटे पर एक

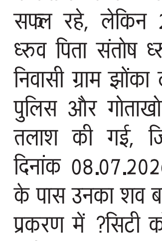

वाहन के बह जाने से विद्युत विभाग के एक कर्मचारी की मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 6-7 जुलाई की दरम्यानी रात लगभग 01:00 बजे, विद्युत विभाग के कर्मचारी अपनी ड्यूटी के दौरान ग्राम अचानकपुर की ओर जा रहे थे। इस दौरान अचानकपुर रपटे को पार करते समय पानी का बहाव तेज होने के कारण उनकी गाड़ी (छत्र 04 हरु-4955) नाले में बह गई। ?वाहन में सवार अन्य कर्मचारी तैरकर बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन 23 वर्षीय पार्थिव ध्रुव पिता संतोष ध्रुव उम्र 23 साल निवासी ग्राम झोंका लापता हो गए थे। पुलिस और गोताखोरों द्वारा रात भर तलाश की गई, जिसके बाद आज दिनांक 08.07.2026 को खैरी रपटे के पास उनका शव बरामद किया गया। प्रकरण में ?सिटी कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ की गई है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
डोंगरगढ़, जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. 202607092300012
ब-121 वर्ष 2025-26

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सीता बाई पिता पुनीत राम यादव जाति राउत निवासी ग्राम मुढ़िया द्वारा अपनी पुत्री रागनी यादव पिता पुनीत राम यादव का जन्म दिनांक 15/02/2016 को ग्राम खुडमुडी तहसील डोंगरगढ़ जिला राजनांदगाव में होने से तथा भूलवश जन्म का पंजीयन नहीं करा पाने के कारण अपनी पुत्री रागनी यादव पिता पुनीत राम यादव का जन्मतिथि 15/02/2016 को दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। प्रकरण दर्ज किया जावे। ग्राम एवं दैनिक समाचार पत्र में ईश्तहार का प्रकाशन कराया जाये। आवेदक साक्ष्य सहित उपस्थित हो।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को किसी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दावा/आपत्ति पेशी दिनांक 21/07/2026 तक या उसके पूर्व प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

नायब तहसीलदार
डोंगरगढ़

संपर्क केंद्र की त्वरित पहल से छात्रा को समय पर मिला आय प्रमाणपत्र, कॉलेज प्रवेश का रास्ता हुआ आसान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 9 जुलाई। जिला प्रशासन द्वारा संचालित जनहितकारी पहल संपर्क केंद्र आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रभावी माध्यम बनकर सामने आ रहा है। इसी क्रम में तहसील पलारी के ग्राम दतान (प) निवासी राधेश्याम जायसवाल की शिकायत का शीघ्र समाधान करते हुए उनकी पुत्री ममता जायसवाल को समय पर आय प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया, जिससे उनका महाविद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित हो सका।

श्री राधेश्याम जायसवाल ने संपर्क केंद्र में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पुत्री ममता जायसवाल को महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आय प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। इसके लिए उन्होंने 24 जून 2026 को तहसील कार्यालय पलारी में आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन प्रमाण पत्र जारी होने में विलंब होने के कारण कॉलेज में प्रवेश की अंतिम तिथि 1 जुलाई 2026 होने से प्रवेश प्रभावित होने की आशंका थी। शिकायत प्राप्त होते ही संपर्क केंद्र ने संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर प्रकरण का त्वरित निराकरण कराया और समय पर आय प्रमाण पत्र जारी कराया गया। इसके फलस्वरूप ममता जायसवाल को इंदौर स्थित महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध हो गया।

समय पर समस्या का समाधान होने से ममता जायसवाल और उनके पिता राधेश्याम जायसवाल ने जिला प्रशासन एवं संपर्क केंद्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि त्वरित कार्रवाई के कारण उनकी महत्वपूर्ण समस्या का समय रहते समाधान हो गया और छात्रा का भविष्य सुरक्षित हो सका। संपर्क केंद्र के माध्यम से 92018-99925 पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को समयबद्ध एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जिले के कोई भी आमजन अपनी समस्या या मांग से संबंधित शिकायत सम्पर्क केंद्र में फोन करके आसानी से कर सकते है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

39 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव व स्वच्छाग्रही समूह के अध्यक्षों को दिया गया प्रशिक्षण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 9 जुलाई। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सभा कक्ष में ÷ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026÷ विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जनपद पंचायत बलौदाबाजार एवं पलारी के 39 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं स्वच्छाग्रही समूह के अध्यक्षों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्राम स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा कचरे के वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण में चार प्रकार के कचरे के पृथक्करण, संग्रहण एवं सुरक्षित निपटान की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि स्वच्छ एवं साफ-सुथरा वातावरण न केवल लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करता है, बल्कि ग्रामों के समग्र विकास एवं जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार लाता है।

कार्यशाला में ग्रामीणों को अपने घर एवं आसपास नियमित साफ-सफाई रखने, कचरे का उचित प्रबंधन करने तथा स्वच्छता को जनभागीदारी का अभियान बनाने के लिए प्रेरित करने पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि स्वच्छता अपनाकर अनेक संक्रामक एवं मौसमी बीमारियों से बचाव संभव है। साथ ही कचरे के पुनः उपयोग एवं संसाधन के रूप में उपयोग से आजीविका और आर्थिक स्थिति में भी सुधार लाया जा सकता है।प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

क्रमाक्र/776/ लो.नि.वि./न.पा./2026-27 तिल्दा नेवरा दिनांक...............

मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा क्षेत्रांतर्गत विभिन्न वार्डों के आकस्मिक क्षतिग्रस्त सी.सी. रोड/आर.सी.सी. नाली मरम्मत कार्य हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में शासकीय पंजीकृत डॉक स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र A में प्रचलित एस.ओ.आर. पी.डब्ल्यू.डी. भवन/रोड 2026 से प्रतिशत दर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती हैं:-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि :- दि. 29.07.2026 समय सायं 05:00 बजे तक।
2. निविदा प्रपत्र प्रदान करने की अंतिम तिथि :- दि. 31.07.2026 समय सायं 05:00 बजे।
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- दि. 04.08.2026 समय सायं 03:00 बजे।
4. निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि :- दि. 04.08.2026 समय सायं 04:00 बजे।

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
1	सी.सी. रोड मरम्मत एवं निर्माण कार्य	8.00	8000.00	750.00	12 माह
2	आर.सी.सी. नाली एवं पुल पुलिया मरम्मत कार्य	8.00	8000.00	750.00	12 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद तिल्दा-नेवरा

एक नजर

आहूजा के पीएम को पत्र के बाद ओडिशा में नष्ट किए गए गांजा के पौधे

रायपुर, 9 जुलाई। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, महामंत्री किशोर आहूजा ने ओडिशा में गांजा के पौधे बड़ी तादाद में नष्ट करने पर प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया है। आहूजा द्वय ने बताया कि ओडिशा के एक्साइज विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी ने प्रधानमंत्री को पत्र भेज कर बताया है कि ओडिशा के 15 जिलों में जिनमें कोरापुट, मलकानगिरी, संबलपुर, अंग्ल, रायगढ़ा, राउरकेला. बरहमपुर आदि में 2024-25 में 9418 एकड़ खेत में 12745720 प्लांट जो कि गांजे की उपज ले रहे थे नष्ट कर दिये गये है तथा 2025-26 में 20881 एकड़ में गांजे के प्लांट नष्ट किये गये तथा आगे भी गांजे की खेती को रोकने के लिए लगातार प्रयास जारी है। प्रधानमंत्री कार्यालय से समिति के अध्यक्ष रमेश आहूजा को कापी भेजी है। आहूजा द्वय ने कहा कि नहरपारा विकास समिति के प्रयास से यह बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है अब उड़ीसा से पूरे देश में गांजे की तस्करी पर रोक लग सकेगी तथा देश का युवा वर्ग गांजे के नशे से बर्बाद नहीं होगा। रमेश आहूजा ने कहा कि उड़ीसा में इतने एकड़ में गांजे के पौधे नष्ट किये गये फिर भी पूरे देश में उड़ीसा से गांजे की तस्करी हो रहीं है। अभी अभी महासमुंद में 5 करोड़ 12 लाख का गांजा पकड़ा गया है इससे स्पष्ट है कि अभी हजारों एकड़ में और गांजे के पौधे नष्ट करने की आवश्यकता है।

मोटो जी-77 पॉवर लांच

रायपुर, 9 जुलाई। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में वैश्विक अग्रणी और भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक, मोटोरोला ने आज नए moto g77 POWER के लॉन्च की घोषणा की है, जो इस सेगमेंट का सबसे बेहतरीन कैमरा स्मार्टफोन है। उन उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने रोज़मर्रा के स्मार्टफोन से अधिक की उम्मीद करते हैं, moto g77 POWER एक प्रीमियम डिज़ाइन में प्रोफेशनल-ग्रेड सोनी LYTIA™ 600 कैमरा सिस्टम, एक इमर्सिव 120Hz FHD+ डिस्प्ले, एक विशाल मल्टी-डे बैटरी और मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी को एक साथ लाता है। चाहे जीवन के अनमोल पलों को कैद करना हो, काम को गति देना हो, मल्टी-टास्किंग करना हो, या मनोरंजन का आनंद लेना हो, moto g77 POWER एक स्मार्ट अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

सेहत के लिए अच्छा है कैलिफोर्निया बादाम

रायपुर, 9 जुलाई। 8 जुलाई को मनाए जाने वाले विश्व त्वचा स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर, इस वर्ष की थीम बेहतर जानकारी, बेहतर त्वचा स्वास्थ्य÷ त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने वाले कारकों को समझने के महत्व पर प्रकाश डालती है। जहां स्किनकेयर उत्पाद प्रदूषण जैसे बाहरी प्रभावों से त्वचा की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, वहीं शरीर को किस प्रकार का पोषण दिया जाता है, यह भी स्वस्थ और चमकदार त्वचा बनाए रखने के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है। आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, जिसमें कैलिफ़ोर्निया बादाम, साबुत अनाज, पौधों और पशु स्रोतों से मिलने वाला प्रोटीन जैसे त्वचा के लिए लाभकारी खाद्य पदार्थ शामिल हों, और साथ में सक्रिय जीवनशैली अपनाई जाए, तो यह स्वस्थ त्वचा और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में योगदान दे सकता है।न्यूट्रिशन और वेलनेस कंसल्टेंट शीला कृष्णास्वामी ने कहा, ÷स्वस्थ त्वचा एक दिन में नहीं बनती। यह समय के साथ सही खान-पान के चुनाव और जीवनशैली में किए गए सकारात्मक बदलावों का परिणाम होती है। इसका एक उदाहरण है सुबह मुट्ठी भर बादाम का सेवन करना। बादाम विटामिन ई प्रदान करते हैं, जो त्वचा की रंगत और मरम्मत में मदद करने वाला एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इन्हें चिया सीड पुडिंग, अकाई बाउल्स, ओट्स या रागी दलिया जैसी चीजों के साथ शामिल करके दिन की पौष्टिक शुरुआत की जा सकती है। आहार में किए गए ऐसे छोटे लेकिन नियमित बदलाव समय के साथ त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

रेलवे ओवर और अंडरब्रिज के कार्यों में तेजी लाने निर्देश

रायपुर, 9 जुलाई। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने विभाग के सेतु परिक्षेत्र और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रदेश में रेलवे ओवर-ब्रिज और रेलवे अंडर-ब्रिज के निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने मंत्रालय में हुई बैठक में रेलवे ओवर-ब्रिज और रेलवे अंडर-ब्रिज के कार्यों में तेजी लाने लोक निर्माण विभाग और रेलवे के अधिकारियों को बेहतर समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों की बाधाओं को तत्परता से दूर कर अप्रारंभ कार्यों को जल्दी शुरू करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी और दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर मुख्यालय के प्रधान मुख्य अभियंता अवनीश कुमार पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने बैठक में विभागीय और रेलवे के अधिकारियों को आपसी समन्वय को और मजबूत करते हुए निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें शीघ्र पूरा करने को कहा, ताकि लोगों को जाम और रेलवे फाटकों पर होने वाली असुविधा से राहत मिल सके। इससे माल परिवहन भी अधिक सुगम और तेज होगा।

विभागीय सचिव ने नए आरओबी और आरयूबी के कार्यों को जल्द शुरू करने सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर बाधाओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यस्थलों से अतिक्रमण हटाने, भूमि व्यपवर्तन, नामांतरण तथा भू-अर्जन जैसी प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध ढंग से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रगतिरत परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर प्रदेश में आवागमन को अधिक सुरक्षित, सुगम, सुव्यवस्थित और तेज बनाना राज्य शासन की प्राथमिकता में है।

बंसल ने कार्यस्थलों पर यूटिलिटी शिफ्टिंग के कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यूटिलिटी शिफ्टिंग में देरी के कारण निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। उन्होंने प्रस्तावित परियोजनाओं के प्राक्कलन तथा ड्राइंग-डिजाइन तैयार करने के लिए जहां भी लोक निर्माण विभाग और रेलवे के अधिकारियों के संयुक्त निरीक्षण की जरूरत हो, वहां तत्काल संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने को कहा।

उन्होंने रेलवे ओवर-ब्रिज और रेलवे अंडर-ब्रिज परियोजनाओं को शीघ्रता से पूर्ण करने नियमित और कड़ाई से मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग और रेलवे के अधिकारियों को हर तीन महीने में बैठक कर कार्यों की प्रगति का आकलन करने और लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव, सेतु परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता एस.के. कोरी, अधीक्षण अभियंता डी.के. माहेश्वरी, दक्षिण-पूर्व-मध्य रेलवे के बिलासपुर मुख्यालय के मुख्य अभियंता मनोज कुमार सिंह, सीपीएम-बिलासपुर राजीव कुमार और सीपीएम-रायपुर तत्वदर्शी साहू भी बैठक में मौजूद थे।

लाभांडी में सूने मकान का ताला तोड़ लाखों की चोरी

रायपुर, 9 जुलाई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चोरों ने लाभांडी के चंडी नगर में एक सूने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये का कीमती सामान पार कर दिया। घटना 8/9 जुलाई की रात्रि की है। जानकारी के मुताबिक मुहल्ले के केशरी वर्मा और रामेश्वर वर्मा, दोनों सगे भाई हैं। दोनों भाईयों का परिवार एक ही घर में रहता है। 8 जुलाई 2026 को दोनों का परिवार रिश्तेदारी में शादी समारोह में शामिल होने गये थे। दूसरे दिन 9 जुलाई की सुबह घर लौटकर आये तो घर का नजारा देख हतप्रभ हो गये। घर के दरवाजे में लगा ताला टूटा था और संदूक व आलमारी में रखे कीमती जेवरात व अन्य सामान गायब थे। घर से कुछ दूर पर सड़क पर टूटा ताला और जेवरात रखने वाली डिब्बी, पर्स आदि सामान पड़े मिले। रामेश्वर वर्मा ने इसकी जानकारी आसपास के लोगों की दी तो पूरे मुहल्ले में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी पीड़ित परिवार ने खम्हारडीह थाने पर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। सूने मकान में चोरी होने की घटना से मुहल्ले के लोग दहशत में हैं।

पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए केंद्र सरकार : कांग्रेस

रायपुर, 9 जुलाई। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में क्रूड ऑयल के दाम कम हो गये मोदी सरकार पेट्रोल, डीजल के दाम नहीं घटा रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में 56 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है जो क्रूड ऑयल के दाम 157 डॉलर प्रति बैरल के उच्चे स्तर तक था, आज 70 डॉलर है इसमें प्रति बैरल लगभग 87 डॉलर की कमी हुई, लेकिन देश के भीतर किसान मजदूर युवा व्यापारी उद्योगपतियों को आज भी महंगे दरों पर पेट्रोल और डीजल खरीदना पड़ रहा है। मोदी सरकार, साय सरकार और पेट्रोलियम कंपनियां मिलकर आम जनता की जेब से पेट्रोल डीजल के माध्यम से प्रति लीटर 48 से 52 रू. से अधिक की कमाई कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पिछले 15 दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 56 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है, इसका लाभ उपभोक्ताओं को देने के बजाए यह सरकार अपने मुनाफे में एडजेस्ट कर रही है। यह देश की गरीब जनता पर अत्याचार है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पेट्रोल डीजल की महंगाई के लिए केंद्र की मोदी सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों के मुनाफाखोरी गठबंधन को जिम्मेदार है। पश्चिम एशिया तनाव शुरू होने से पहले क्रूड आयल के जो दाम थे, आज उससे भी कम हो गये है। मोदी की गारंटी पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफा बढ़ाने की है और आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ाना है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आज देश के सामने मोदी सरकार की मुनाफाखोरी उजागर हो गई है जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरावट आई है तो पेट्रोल डीजल के दामों में उसी के मुकाबले कमी होनी चाहिए।

कार्यक्रम

रायपुर, 9 जुलाई। रायपुर प्रेस क्लब भवन के जीर्णोद्धार प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई के क्रम में जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने प्रेस क्लब भवन का निरीक्षण किया तथा विकास कार्यों पर पदाधिकारियों से चर्चा की।

सीजीएमएससी को सुप्रीम राहत, एक लाख जुर्माने के साथ हाई कोर्ट ने की थी प्रतिकूल टिप्पणी

रायपुर, 9 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट द्वारा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कारपोरेशन लिमिटेड छ्त्तस्स्ष्टरु की कार्यप्रणाली पर की गई तीखी व प्रतिकूल टिप्पणियों और याचिकाकर्ता को 1 लाख रुपये मुआवजा देने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की डिवीजन बेंच ने कारपोरेशन की विशेष अनुमति याचिका स्स्क्क पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया है। शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों को नोटिस जारी कर 10 अगस्त 2026 तक जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। यह विवाद छत्तीसगढ़ जशपुर जिले के पत्थलगांव ब्लॉक के कोतबा में 'प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करने के लिए जारी 4.98 करोड़ रुपये के एक ई-टेंडर से जुड़ा है। रायगढ़ के एक बी-क्लास सिविल ठेकेदार, नटवर लाल अग्रवाल ने इस टेंडर में हिस्सा लिया था और उन्होंने अनुमानित लागत से 9.9 फीसदी कम (बिलो) की सबसे प्रतिस्पर्धी दर पेश की थी। एक अन्य ठेकेदार हितेश सूर्यवंशी ने 9.22 फीसदी कम की दर डाली थी। नियमों के मुताबिक नटवर लाल सबसे कम बोली लगाने वाले (एल-1) ठेकेदार थे, जिससे सरकारी खजाने को फायदा होता। लेकिन 5 जनवरी 2026 को जब फाइनेंशियल बिड खुली, तो नटवर लाल अग्रवाल की बिड को बिना खोले ही उन्हें इस आधार पर अयोग्य कर दिया गया कि उन्होंने स्पष्टीकरण नहीं दिया। इ

साय सरकार की शिक्षा व्यवस्था कागजों तक सीमित : वन्दना

रायपुर, 9 जुलाई। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वन्दना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह भगवान भरोसे छोड़ चुकी है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए कई सप्ताह बीत चुके हैं, लेकिन प्रदेश के हजारों सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को अब तक निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें और यूनिफॉर्म तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। यह सरकार की प्रशासनिक विफलता और शिक्षा के प्रति उदासीनता का सबसे बड़ा प्रमाण है। सबसे बड़ा उदाहरण बेमेतरा जिला में देखने को मिल रहा है वहाँ एक भी स्कूल में बच्चों को किताबें नहीं मिला है ऐसे में बच्चे कैसे समय पर कोर्स कम्पलीट कर पाएंगे इधर शिक्षा मंत्री हर रोज़ एक नया नियम लाते हैं और यह सिर्फ़ कागज़ों तक ही सिमटकर रह जाता है . विद्यालयों में शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई प्रभावित होती जा रही है अब तो अभिभावक भी विरोध कर रहे हैं भिलाई क्षेत्र की रानी तराई में शिक्षक की कमी को लेकर के स्कूल में ताला लगाकर के विरोध प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता वन्दना राजपूत ने कहा कि भाजपा सरकार मंचों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बड़ी-बड़ी बातें करती है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि बच्चे बिना किताबों के पढ़ाई कर रहे हैं और गरीब परिवारों के बच्चे बिना यूनिफॉर्म के स्कूल जाने को मजबूर हैं। सरकार के दावे और धरातल की हकीकत में बड़ा अंतर है। भाजपा सरकार से अभिभावक सवाल पूछ रहे हैं कि जब स्कूल खुलने की तारीख पहले से तय थी, तब किताबों और यूनिफॉर्म की व्यवस्था समय पर क्यों नहीं की गई? क्या शिक्षा विभाग पूरी तरह विफल हो चुका है? इस लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या सरकार बच्चों के भविष्य को भी फाइलों और बैठकों में उलझाकर रखना चाहती है?

व्यापार एवं उद्योग हितैषी निर्णयों के लिए कैट ने सीएम का माना आभार

रायपुर, 9 जुलाई। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमैन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, महामंत्री अवनीत सिंह, कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में व्यापार, उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों का कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), छत्तीसगढ़ ने स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं मंत्रिपरिषद के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लिए गए ये निर्णय छत्तीसगढ़ को व्यापार एवं उद्योग के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने वाले सिद्ध होंगे। व्यापारिक प्रक्रियाओं के सरलीकरण, निवेश प्रोत्साहन तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से जुड़े सुधारों से प्रदेश में उद्योगों की स्थापना को गति मिलेगी, निवेशकों का विश्वास सुदृढ़ होगा, व्यापार करने में सुगमता बढ़ेगी तथा प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

कैट छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष परमानंद जैन ने कहा कि मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णय व्यापारिक समुदाय द्वारा लंबे समय से उठाई जा रही अनेक महत्वपूर्ण मांगों को पूरा करने की दिशा में एक सकारात्मक एवं स्वागतयोग्य पहल हैं। इन विषयों को कैट छत्तीसगढ़ द्वारा समय-समय पर विभिन्न बैठकों, ज्ञापनों एवं शासन के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाता रहा है। राज्य सरकार द्वारा इन सुझावों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना व्यापारिक समुदाय के लिए अत्यंत उत्साहजनक है। कैट छत्तीसगढ़ के अनुसार इन निर्णयों से प्रमुख लाभ होंगे। सरकार द्वारा व्यावसायिक कर अधिकरण को समाप्त कर अपील संबंधी मामलों के निस्तारण को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने का निर्णय व्यापारिक समुदाय की वर्षों पुरानी मांग थी। इससे लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी तथा व्यापारियों को अनावश्यक प्रक्रियात्मक जटिलताओं से राहत प्राप्त होगी।

जनसंख्या विस्फोट पर 11 को राष्ट्रीय वेबिनार

रायपुर, 9 जुलाई। 'पर्यावरण ऊर्जा टाइम्स' द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई 2026) के अवसर पर 'जनसंख्या विस्फोट का भारत की पारिस्थितिकी तंत्र एवं पर्यावरण पर प्रभाव' विषय पर राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता एवं वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संवाद का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, शोधार्थियो ं एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील नागरिकों को बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न पर्यावरणीय, सामाजिक एवं विकास संबंधी चुनौतियों पर विचार-विमर्श के लिए एक मंच प्रदान करना है। वेबिनार का आयोजन 'शनिवार, 11 जुलाई 2026 को शाम 4:30 बजे से 6:00 बजे तक' ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा।

कार्यक्रम में 'छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह' मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर 'अध्यक्षीय उद्बोधन' देंगे। अपने संबोधन में वे जनसंख्या, पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और आने वाली पीढ़ियों के लिए संतुलित विकास की आवश्यकता पर अपने विचार रखेंगे।

कांग्रेस नेता रामगोपाल की गिरफ्तारी भाजपा का राजनैतिक षड्यंत्र : बैज

रायपुर, 9 जुलाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की एसीबी, ईओडब्ल्यू के द्वारा की गई गिरफ्तारी भाजपा सरकार का राजनैतिक षड्यंत्र है। विधानसभा चुनाव के समय से ही भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र करती रही है। पहले केंद्रीय एजेंसियों को इस काम में लगाया गया अब राज्य की जांच एजेंसी के माध्यम से षड्यंत्र किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई, आईटी को लगाकर कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर परेशान करती रही है। जिन मामलो में ईडी जांच करके कुछ हासिल नहीं कर पाई उसी में ईओडब्ल्यू से जांच करवाई जा रही है। यह मामला अदालत में नहीं टिकेगा अदालत में भाजपा का षड्यंत्र बेनकाब होगा। पूरी मजबूती से इस षड्यंत्र के खिलाफ कानूनी और लोकतात्रिक लड़ाई लड़ी जाएगी। हम भाजपा के इन षड्यंत्रों को जनता के बीच बेनकाब भी करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नकटी में गरीबो का मकान तोड़ने के बाद सरकार कहती है, वहां विधायक आवास नहीं बनायाजायेगा। हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन अनुराग सिंहदेव, मंत्री केदार कश्यप पत्रकारवार्ता लेकर कहते है कि वहां पर विधायको के लिये मकान बनाने का कोई योजना नहीं है। आज ओपी चौधरी का भी बयान आया है वहां विधायक आवास नहीं बनाया जायेगा। अक्टूबर 2024 में आवास एवं पर्यावरण सचिव अंकित आनंद कलेक्टर को पत्र लिखकर षष्ठम विधानसभा के जनप्रतिनिधियों को आवास उपलब्ध करवाने हेतु नकटी में अतिक्रमण भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिये कहा था। इस पत्र में आयुक्त छ.ग. गृह निर्माण मंडल के पत्र क्र. 58 दिनांक 25.09.2024 का हवाला भी दिया है। यह पत्र बताता है कि भाजपा नेताओं की हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन है, उन्होंने अपनी सरकार की गलती छुपाने झूठ बोला है।

छग में खुलेंगे 200+ चार्जिंग स्टेशन

रायपुर, 9 जुलाई। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उपयोग को बढ़ावा देने और उनके लिए चार्जिंग करने विभिन्न स्थानों में 200 से ज्यादा स्टेशन खुलेंगे। इसके लिए नियमानुसार चार्जिंग स्टेशन खोलने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी। ईवी पॉलिसी को लेकर परिवहन सचिव एस प्रकाश की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने बैठक में भारत सरकार की पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं उसके क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही छत्तीसगढ़ की ईवी पॉलिसी के तहत नागरिकों एवं निवेशकों को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं एवं प्रोत्साहनों का ब्यौरा दिया। बैठक में उप परिवहन आयुक्त मनोज कुमार ध्रुव, सभी जिलों के आरटीओ, डीटीओ, इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता, डीलर, ऑइल कंपनी एचपीसीएल, बीपीसीएल, आईओसीएल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ईवी चार्जिंग स्टेशन खोलने के लिए आवेदन करने पर नियमानुसार एनओसी मिलेगी। इसके लिए सभी आरटीओ एवं डीटीओ को अपने-अपने क्षेत्र में ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापना के लिए उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन करने कहा गया है। साथ ही संबंधित विभागों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र के लिए प्रक्रिया में समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।

नई व्यवस्था | **एमबीबीएस इंटर्नशिप के नए नियम लागू, ट्रांसफर पर भी प्रभावी रोक लग जाएगी**

अब सीटों से ज्यादा छात्रों को नहीं मिलेगी अनुमति

रायपुर, 9 जुलाई। छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस इंटर्नशिप को लेकर लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। आयुष एवं हेल्थ साइंस यूनिवर्सिटी ने नया नियम लागू करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि, अब प्रदेश के किसी भी सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज में उसकी स्वीकृत एमबीबीएस सीटों से अधिक छात्रों को इंटर्नशिप की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इस फैसले का सबसे बड़ा असर उन छात्रों पर पड़ेगा, जो दूसरे मेडिकल कॉलेजों से पढ़ाई करने के बाद इंटर्नशिप के लिए रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफर कराने की कोशिश करते थे। अब ऐसे ट्रांसफर पर प्रभावी रोक लग जाएगी।

पिछले कुछ वर्षों से रायपुर मेडिकल कॉलेज में अन्य जिलों और निजी मेडिकल कॉलेजों के छात्रों के इंटर्नशिप ट्रांसफर के आवेदन लगातार बढ़ रहे थे। इससे कॉलेज की क्षमता पर अतिरिक्त दबाव पड़ता था और इंटर्नशिप प्रबंधन में कठिनाइयां आती थीं।

विश्वविद्यालय का मानना है कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में उतने ही इंटर्न होने चाहिए, जितनी वहां एमबीबीएस की स्वीकृत सीटें हैं। इससे सभी कॉलेजों में प्रशिक्षण का संतुलन बना रहेगा और संसाधनों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ेगा। एमबीबीएस की साढ़े चार साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रत्येक छात्र के लिए एक वर्ष की अनिवार्य इंटर्नशिप करना जरूरी होता है। इस दौरान छात्रों को हर महीने 15 हजार रूपए से अधिक स्टाइपेंड दिया जाता है।

अब क्या बदलेगा?

- » नए नियम लागू होने के बाद कोई भी मेडिकल कॉलेज अपनी निर्धारित क्षमता से अधिक इंटर्न नहीं रख सकेगा।
- » दूसरे सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेजों के छात्र आसानी से रायपुर मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप ट्रांसफर नहीं करा पाएंगे।
- » सभी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप का समान और व्यवस्थित वितरण होगा।
- » क्षमता से अधिक छात्रों के समायोजन को लेकर होने वाले विवादों पर रोक लगेगी।

इंटर्नशिप पूरी होने के बाद डॉक्टरों को दो वर्ष की बांड सेवा करनी होती है। इस दौरान उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों या मेडिकल कॉलेजों में जूनियर रेजिडेंट के रूप में नियुक्त किया जाता है। बांड सेवा के दौरान लगभग 50 हजार रूपए प्रतिमाह मानदेय मिलता है। यदि कोई डॉक्टर बांड सेवा का पालन नहीं करता या नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ 20 से 25 लाख रूपए तक की पेनाल्टी लगाने का प्रावधान है।

छात्रों और कॉलेजों पर क्या पड़ेगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि नए नियम से मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप का बेहतर प्रबंधन होगा। जिन कॉलेजों में छात्रों की संख्या अधिक होने से प्रशिक्षण प्रभावित होता था, वहां अब संसाधनों का संतुलित उपयोग हो सकेगा।

हालांकि, दूसरे कॉलेजों से रायपुर जैसे बड़े मेडिकल संस्थानों में इंटर्नशिप करने की उम्मीद रखने वाले छात्रों को अब अपने मूल कॉलेज में ही प्रशिक्षण पूरा करना होगा।

विवादों पर लगेगी रोक

विश्वविद्यालय के इस फैसले से इंटर्नशिप ट्रांसफर को लेकर होने वाली पैरवी, अतिरिक्त समायोजन और प्रशासनिक विवादों में कमी आने की उम्मीद है। साथ ही मेडिकल कॉलेजों में प्रशिक्षण की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26